DBD
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

दो बजे दोपहर

महाराष्ट्र का रण

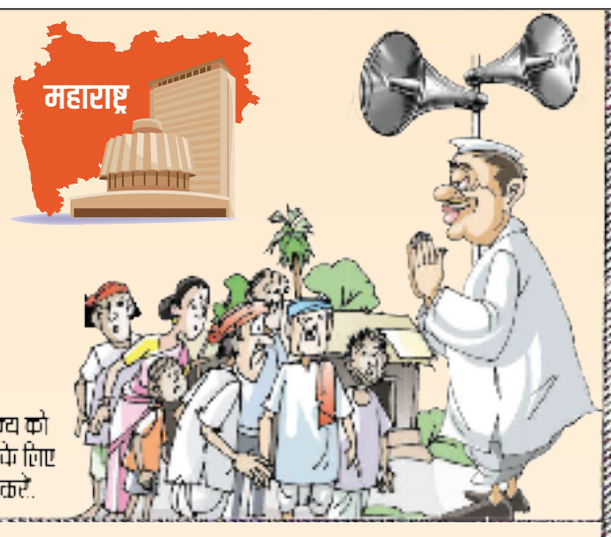

मतदाताओं से अपील

विधानसभा चुनाव आपके लिए एक अवसर है राज्य को गढ़ने या संवारने का. आपसे अपील है कि स्वस्थ लोकतंत्र के लिए खुद मतदान जरूर करें और सगे-संबंधियों को भी प्रेरित करें.

1 भाजपा ने गोपाल शेट्टी को मनाया **2** कांग्रेस की मधुरिमा ने नाम वापस लिया **3** मराठा आरक्षण आंदोलन के मनोज जरांगे भी हटे

साल 2024 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में 288 सीटों पर 4140 उम्मीदवारों के बीच मुकाबला होगा। इस चुनाव में 7078 प्रत्याशियों के नामांकन वैध पाए गए थे। जिसमें से 2938 प्रत्याशियों ने नामांकन पर्चा वापस ले लिया है। सोमवार को नामांकन वापस लेने का आखिरी दिन था। साल 2019 के विधानसभा चुनाव में कुल 3237 उम्मीदवार उतरे थे। इस चुनाव में मुंबई की 36 सीटों पर कुल 420 प्रत्याशी उतरे हैं। इसमें मुंबई शहर की 10 सीटों पर 105 प्रत्याशी और मुंबई उपनगर की 26 सीटों पर 315 प्रत्याशियों का समावेश है। नामांकन वापस लेने के आखिरी दिन सत्तारूढ़ महायुति और विपक्ष के गठबंधन महाविकास आघाड़ी को बागी उम्मीदवारों से नामांकन वापस करवाने को लेकर काफी मशक्कत करनी पड़ी।

तय हो गए चुनावी महाभारत के महायोद्धा

बागियों को संभालने के लिए दोनों गठबंधनों के बड़े नेता उतरे

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में बगावत से जूझ रहे दोनों गठबंधनों महायुति व महा विकास अघाड़ी के प्रमुख नेताओं ने नाम वापसी के आखिरी दिन बागी उम्मीदवारों को संभालने के लिए मोर्चा संभाला। कई सीटों पर दोनों गठबंधनों को सफलता भी मिली। भाजपा के पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी चुनाव मैदान से हट गए हैं, तो कांग्रेस की मधुरिमा राजे छत्रपित ने भी नाम वापस ले लिया है। मराठा आरक्षण आंदोलन के नेता मनोज जरांगे ने भी नाम वापस ले लिया है। नाम वापसी के आखिरी दिन भाजपा के नेतृत्व वाली महायुति व कांग्रेस के नेतृत्व वाली महा विकास अघाड़ी ने पूरा जोर लगा दिया। गोपाल शेट्टी और मधुरिमा राजे इस चुनाव के प्रमुख उम्मीदवारों में शामिल थे, लेकिन दोनों ने नामांकन वापस ले लिया। हालांकि, पार्टी नेतृत्व के दबाव के बावजूद मुंबई के माहिम से शिवसेना उम्मीदवार सदा सरवणकर ने अपना नाम वापस नहीं लिया।

उनका मुकाबला महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे के बेटे अमित से होगा। गोपाल शेट्टी को मनाने के लिए भाजपा महासचिन विनोद तावड़े को मैदान में उतरना पड़ा। दोनों लंबे समय से मित्र हैं और उनके समझाने के बाद शेट्टी मान गए। भाजपा ने दावा किया है कि उसके गठबंधन के कई बागी पीछे हट गए हैं। हालांकि, अभी लगभग एक दर्जन बागियों से संपर्क नहीं हो सका है। अब उनको अधिकृत उम्मीदवार के समर्थन के लिए मनाया जाएगा।

उद्धव ने दी चेतावनी

विपक्षी महा विकास अघाड़ी के भी एक दर्जन से ज्यादा बागी मैदान में डटे हुए हैं। हालांकि, शिवसेना (यूबीटी) के नेता उद्धव ठाकरे ने अपने बागियों को कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी है। कांग्रेस के मुख्तार शेख ने पुणे के कस्बा पेठ विधानसभा क्षेत्र से नामांकन वापस ले लिया और पार्टी के आधिकारिक उम्मीदवार रवींद्र धांगेकर को समर्थन की घोषणा की। मधुरिमा कोल्हापुर उत्तर की चुनावी दौड़ से पीछे हटी हैं। वह पार्टी व गठबंधन की अधिकृत उम्मीदवार थीं, लेकिन बागी राजेश लटकर के पीछे न हटने से उन्होंने खुद ही आखिरी क्षणों में मैदान छोड़ दिया। कांग्रेस ने पहले लटकर को उम्मीदवार घोषित किया था, लेकिन बाद में मधुरिमा को उम्मीदवार बनाया। इससे नाराज लटकर ने निर्दलीय पर्चा दाखिल कर दिया। अब लटकर निर्दलीय अघाड़ी समर्थित उम्मीदवार के रूप में लड़ेंगे।

जरांगे समर्थक भी पीछे हटे

राज्य में एक बड़ा बदलाव मराठा आरक्षण आंदोलन के मनोज जरांगे के चुनाव मैदान से हटने से आया है। उन्होंने अपने समर्थक लगभग एक दर्जन अन्य उम्मीदवारों से भी मैदान से हटने को कहा है। किसी भी दल द्वारा सहयोग न करने से वह पीछे हटे हैं और कहा है कि मराठा समुदाय अपने विवेक से आरक्षण का समर्थन करने वाले का समर्थन करे। माना जा रहा है कि इससे महा विकास अघाड़ी को लाभ हो सकता है।

इन्होने वापस नहीं लिया नामांकन

- बीड में शिव संग्राम पार्टी की ज्योति मेटे चुनाव लड़ने पर अड़ी हुई हैं, उन्होंने अपना पर्चा वापस नहीं लिया है।
- भिवंडी ग्रामीण सीट से भाजपा की बागी नेता स्नेहा पाटिल निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ेंगे, उन्होंने नामांकन पत्र वापस नहीं लिया है। इससे शिवसेना शिंदे गुट के उम्मीदवार शांताराम मोरे की परेशानी बढ़ सकती है।
- बीड के आष्टी विधानसभा क्षेत्र में चतुर्भुज मुकाबला होगा। भाजपा के बागी भीमराव धोंडे चुनाव लड़ने पर अड़े हुए हैं।
- माजलगांव में एनसीपी (शरद पवार गुट) के नेता रमेश आडसकर की बगावत जारी है।
- पुणे की पार्वती सीट से कांग्रेस के बागी नेता आबा बागुल ने पर्चा वापस नहीं लिया है।
- कस्बा पेठ से कांग्रेस के बागी कमल विहावास चुनाव लड़ने पर अड़े हुए हैं।
- शिवाजीनगर से कांग्रेस के बागी नेता मनीष आनंद ने पर्चा वापस नहीं लिया है।

इन 'उम्मीदवारों ने नामांकन वापस लिया

- **मधुरीमा राजे**– कांग्रेस (कोल्हापुर उत्तर)
- **गोपाल शेट्टी**– भाजप, बोरीवली
- **स्वीकृती शर्मा**– शिवसेना शिंदे गुट (अंधेरी पूर्व)
- **सूरज सोलंके**– शिवसेना शिंदे गुट, उस्मानाबाद
- **मकरंदराज निंबालकर**– शिवसेना उद्ध ठाकरे गुट (उस्मानाबाद)
- **विजयराज शिंदे** – भाजपा, बुलढाणा
- **किशोर समुद्रे** – भाजपा, मध्य नागपुर
- **जयदत्त क्षीरसागर**– अपक्ष, बीड
- **जगदीश धोडी**– शिवसेना शिंदे गुट, बोईसर
- **अशोक भोईर**– बहुजन विकास अघाड़ी, पालघर
- **अमित घोडा** – भाजपा, पालघर
- **तानाजी वनवे**– कांग्रेस, नागपुर पूर्व
- **तनुजा घोलप**– निर्दलीय, देवलाली
- **मदन भरगड़**– कांग्रेस, अकोला
- **प्रशांत लोखंडे**– शिवसेना शिंदे गुट, श्रीरामपुर
- **सुहास नाइक**– कांग्रेस, शहादा तलोदा
- **विश्वनाथ वलवी**– कांग्रेस, नंदुरबार
- **सुजीत झावरे पाटिल**– अजीत पवार गुट, पारनेर
- **जिशान हुसैन**– वंचित बहुजन आघाडी, अकोला
- **नाना काटे** – अजित पवार गुट, चिंचवड़
- **बाबूराव माने**– शिवसेना उद्धव ठाकरे गुट, धारावी
- **मधु चव्हाण**– कांग्रेस, बायकुला
- **विश्वजीत गायकवाड़** – भाजपा, लातूर
- **संदीप बाजोरिया**– शरद पवार गुट, यवतमाल
- **हेमलता पाटिल**– कांग्रेस, नासिक सेंट्रल
- **उदय बाणे**– शिवसेना उद्घव ठाकरे गुट, रत्नागिरी
- **अंकुश पवार**– मनसे, नासिक सेंट्रल
- **राजेभाऊ फड़**– अजीत पवार गुट, परली
- **कुणाल दराडे**– शिवसेना उद्धव ठाकरे गुट, येवाला
- **जयदत्त होल्कर**– शरद पवार गुट, येवला
- **किरण ठाकरे**– बीजेपी, कर्जत खालापुर
- **रूपेश म्हात्रे**– शिवसेना उद्धव ठाकरे गुट, भिवंडी पूर्व
- **संगीता वाज़े** – एनसीपी शरद गुट, मुलुंड
- **मिलिंद कांबले**– एनसीपी शरद गुट, कुर्ला
- **अविनाश लाड**– कांग्रेस– रत्नागिरी
- **प्रतिभा पाचपुते**– भाजपा, श्रीगोंडा
- **दिलीप माने**– कांग्रेस, सोलापुर
- **अविनाश राणे**– शिवसेना शिंदे गुट– अणुशक्तिनगर

यूपी, पंजाब, केरल में उपचुनाव की तारीख बदली

14 सीटों पर अब 13 की जगह 20 नवंबर को वोटिंग

एजेंसी | नई दिल्ली

उत्तर प्रदेश, पंजाब और केरल में होने वाले विधानसभा उपचुनाव की तारीख बदल गई है। चुनाव आयोग ने सोमवार को बताया कि तीनों राज्यों की 14 विधानसभा सीटों पर अब 13 नवंबर की जगह 20 नवंबर को वोटिंग होगी। रिजल्ट 23 नवंबर को ही आएंगे। चुनाव आयोग के मुताबिक उत्तर प्रदेश की 9, पंजाब की 4 और केरल की 1 विधानसभा सीटों पर अब 20 नवंबर को वोटिंग होगी। तारीखों में बदलाव भाजपा, कांग्रेस, RLD और बसपा की मांग पर की गई है।

त्योहारों की वजह से शेड्यूल बदला

इन पार्टियों का कहना था कि 15 नवंबर को कार्तिक पूर्णिमा और गुरुनानक देवजी का प्रकाश पर्व है। वहीं, केरल में 13 से 15 नवंबर तक कलपाथि रास्थोलसेवम मनाया जाएगा। इससे वोटिंग पर असर पड़ता। 20 नवंबर को ही महाराष्ट्र विधानसभा की 288 और झारखंड की 38 सीटों पर चुनाव होंगे। इसके अलावा महाराष्ट्र की नांदेड़ लोकसभा और उत्तराखंड की केदारनाथ विधानसभा सीट पर इसी दिन उपचुनाव है।

11 राज्यों की 33 सीटों पर तारीख में बदलाव नहीं

चुनाव आयोग के आज की घोषणा में 11 राज्यों की 33 सीटों पर तारीख में बदलाव नहीं किया गया है। यानी यहां 13 नवंबर को ही वोटिंग होगी। इसी दिन झारखंड विधानसभा की 43 सीटों पर मतदान होंगे। इसके साथ ही केरल की वायनाड लोकसभा सीट पर भी उपचुनाव होंगे। चुनाव आयोग ने 15 अक्टूबर को महाराष्ट्र-झारखंड के साथ 14 राज्यों की 48 विधानसभा और 2 लोकसभा सीटों पर उपचुनाव की तारीखों की घोषणा की थी।

महाराष्ट्र DGP रश्मि शुक्ला का ट्रांसफर

- विपक्ष की शिकायत पर EC ने की कार्रवाई
- विवेक फनसालकर को मिला अतिरिक्त प्रभार

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

चुनाव आयोग ने कांग्रेस की शिकायत पर महाराष्ट्र की पुलिस महानिदेशक रश्मि शुक्ला को उनके पद से हटा दिया है। रश्मि शुक्ला के तबादले के बाद मुंबई पुलिस आयुक्त विवेक फनसालकर को सोमवार को राज्य सरकार ने महाराष्ट्र के पुलिस महानिदेशक का

अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। 20 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले, चुनाव आयोग ने सोमवार को राज्य सरकार को निर्देश दिया कि वह विपक्षी कांग्रेस सहित राजनीतिक दलों की शिकायतों के बाद महाराष्ट्र की पहली महिला डीजीपी शुक्ला का तत्काल प्रभाव से तबादला कर दे।

फनसालकर को अतिरिक्त प्रभार

चुनाव निकाय ने महाराष्ट्र के मुख्य सचिव को निर्देश दिया कि वह शुक्ला का प्रभार कैडर के अगले सबसे वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी को सौंप दें। अधिकारी ने बताया कि तदनुसार, 1989 बैच के आईपीएस अधिकारी फनसालकर को नए राज्य पुलिस प्रमुख की नियुक्ति होने तक डीजीपी का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। यह दूसरी बार है जब फनसालकर को राज्य के शीर्ष पुलिस अधिकारी की अतिरिक्त जिम्मेदारी सौंपी गई है।

छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस देखने आएंगे लोग: अश्विन वैष्णव

अरुण लाल | मुंबई

रेल मंत्री अश्विन वैष्णव ने सोमवार को मुंबई में पत्रकारों से औपचारिक बातचीत करते हुए कहा कि हम राष्ट्र निर्माण के मिशन मोड़ में जुटे हुए हैं। हम छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस को इतना बेहतरीन बना रहे हैं कि यह दुनिया के सबसे लोकप्रिय हेरिटेज में से एक होगा। उन्होंने कहा कि हम महाराष्ट्र में 164605 करोड़ से ज्यादा रुपए खर्च कर रहे हैं। हम रेल यात्रा को सुविधाजनक व सुरक्षित बनाने का कार्य कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि 2014 से पहले रेल बजट 1171 करोड़ हुआ करता था। इससे ज्यादा तो हम छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस के रीडेवलपमेंट में लगा रहे हैं।

मंत्री ने ली सेल्फी

रेल मंत्री ने पत्रकारों के साथ हंसी मजाक करते हुए सेल्फी ली। उन्होंने कहा कि पत्रकार बड़ी मेहनत करते हैं। मुझे लगता है कि पत्रकार हमेशा सही काम करते हैं।

टर्मिनस पर होंगी वर्ल्ड क्लास सुविधाएं

रेल मंत्री ने रेल अधिकारियों व कर्मचारियों की सराहना करते हुए कहा कि हमारे लोग मिशन मोड़ में काम कर रहे हैं। रात दिन देखे बिना राष्ट्र के सेवा में लगे हुए लोग रेल की कायापलट कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम लोगों को वर्ल्ड क्लास सुविधाएं देने की दिशा में काम कर रहे हैं। इसके लिए हम तेजी से मुंबई व महाराष्ट्र के कई टर्मिनस का रीडेवलपमेंट कर रहे हैं। अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस ये रेलवे स्टेशन देश का गर्व बनेंगे।

बीजेपी कितनी सीटों पर जीतेगी

हंसते हुए, मैं कोई ज्योतिष तो नहीं हूं, पर यह तय है कि हम सरकार बना रहे हैं। मैं यहां महायुति की सरकार की बात कर रहा हूं। पिछले 3 से 4 महीने में हमारे कार्यकताओं का जोश बढ़ा है। जनता ने हमारे काम को सराहा है। अगर आप लोकसभा के रिजल्ट पर बात कर रहे हैं तो मैं बता दूं कि लोकसभा व विधानसभा चुनाव में बहुत अंतर होता है। विधानसभा चुनाव लोकल होता है, और नगरसेवक का चुनाव उससे भी लोकल होता है।

16 हजार 240 करोड़ की पटरियां

रेल मंत्री ने कहा कि हम मुंबई के लोगों की सुविधाएं बढ़ाने के लिए 301.5 किमी की नई पटरियां बिछाने का काम कर रहे हैं। इसके लिए हम 16 हजार 240 करोड़ रुपए खर्च कर रहे हैं। अश्विनी वैष्णव ने कहा कि इन नए पाथ के बन जाने के बाद मुंबई में यातायात और बेहतर होगा।

हर ट्रेन में होंगे 6 जनरल डिब्बे

रेल मंत्री ने डीबीडी से बात चीत में कहा कि हम हर तरह के लोगों के लिए रेल सेवाएं बेहतर कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमने वंदे भारत चलाई और इसके

अलावा सारी सुविधाओं से भरी 2 ट्रेनें चलाई। हमारा प्रयास है कि देश की सभी ट्रेनों में जनरल यात्रियों के लिए 6 डिब्बे हों। मंत्री ने बताया कि इसके लिए हमने 12 सौ 50 डिब्बे बनाने का काम शुरू कर दिया हैं। इसमें से मार्च तक 2 हजार 500 डिब्बे रेल में लग जाएंगे। इसके बाद दिसंबर तक सभी ट्रेनों में जनरल के 6 डिब्बे करने की योजना पर काम किया जा रहा है।

सिद्धरमैया को भूमि घोटाले में लोकायुक्त पुलिस का समन

एजेंसी | मैसूरु

लोकायुक्त पुलिस ने मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) मामले में पूछताछ के लिए कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया को बुधवार को तलब किया है। इससे पहले लोकायुक्त पुलिस ने 25 अक्तूबर को मुख्यमंत्री की पत्नी पार्वती से पूछताछ की थी। वह भी मामले में आरोपी हैं। लोकायुक्त के एक वरिष्ठ अधिकारी ने सोमवार मुख्यमंत्री को समन जारी किए जाने की पुष्टि की। समन पर सिद्धरमैया ने कहा कि वह पूछताछ के लिए जाएंगे। सिद्धरमैया एमयूडीए से उनकी पत्नी पार्वती को 14 भूखंडों के आवंटन में अनियमितता के आरोपों का सामना कर रहे हैं।

मीरा भाईंदर में निर्दलीय बिगाड़ेंगे समीकरण

BJP, कांग्रेस और गीता जैन में होगा त्रिकोणीय मुकाबला

डीबीडी संवाददाता | भाईंदर

मुंबई की मीरा भाईंदर विधानसभा सीट पर नामांकन वापस लेने की अंतिम तिथि के बाद कुल 17 उम्मीदवार बचे हैं। अब इस सीट पर 17 प्रत्याशियों की चुनावी भिड़ंत होने वाली है। अंतिम दिन नामांकन वापस लेने वालों में बीजेपी के उम्मीदवार नरेंद्र मेहता की पत्नी सुमन मेहता, पूर्व बीजेपी पार्षद सुरेश खंडेलवाल, चंद्रकांत मोदी, बहुजन विकास आघाड़ी की उम्मीदवार फ्रीडा मोराइस, एजाज खतीब और रमजान खत्री का नाम शामिल है। जिन 6 उम्मीदवारों ने अपने नाम वापस लिए हैं उनमें से 4 उम्मीदवारों ने बीजेपी के समर्थन में तो फ्रीडा और खत्री ने कांग्रेस के समर्थन में अपना नामांकन वापस लिया है। मीरा भाईंदर विधानसभा सीट से अब महायुति से बीजेपी के नरेंद्र मेहता, महाविकास आघाड़ी से कांग्रेस के मुजफ्फर हुसैन, मनसे से संदीप राणे, बसपा से कालीचरण हरिजन चुनावी मैदान में है। इसके अलावा राज्य स्तर पर मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय स्वराज्य सेना से अरुण कुमार खेड़िया, रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (ए) से अरुणा चक्रे, हिंदू समाज पार्टी से सुरेन्द्र कुमार जैन, सरदार वल्लभभाई पटेल पार्टी से सत्य प्रकाश चौरसिया और विधायक गीता भरत जैन, पूर्व नगराध्यक्ष अरुण कदम, पूर्व नगरसेवक हंसुकुमार पांडे और अन्य 6 उम्मीदवार निर्दलीय चुनाव लड़ रहे हैं।

महायुति धर्म के पालन का किया वादा

बीजेपी के नरेंद्र मेहता और महायुति के घटक दल शिंदे शिवसेना के प्रताप सरनाईक के बीच विगत कुछ वर्षों से रिश्ते ठीक नहीं रहे हैं। बीजेपी के पदाधिकारियों का हमेशा से ही यह आरोप रहा है कि शिवसेना महायुति धर्म का पालन नहीं करती है और बीजेपी के पदाधिकारियों को दबाने की राजनीति करती है।

गीता, मेहता और हुसैन में त्रिकोणीय मुकाबला

मीरा भाईंदर विधानसभा सीट पर अब सीधे-सीधे वर्तमान विधायक और निर्दलीय उम्मीदवार गीता भरत जैन, बीजेपी के नरेंद्र मेहता तथा कांग्रेस के मुजफ्फर हुसैन के बीच त्रिकोणीय मुकाबला होने के पूर्ण आसार हैं। 2019 के विधानसभा चुनाव में अविभाजित शिवसेना ने खुलकर निर्दलीय उम्मीदवार गीता जैन का समर्थन किया था। इस बार के चुनाव में विभाजित शिवसेना के उद्धव शिवसेना का समर्थन कांग्रेस को और शिंदे शिवसेना का समर्थन बीजेपी को है। जिससे इस सीट पर त्रिकोणीय कांटे की टक्कर निश्चित है।

महायुति के दलों ने की संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस

सोमवार को महायुति के सभी घटक दलों ने मिलकर एक संयुक्त पत्रकार परिषद बुलाई थी। जिसमें शिवसेना से विधायक प्रताप सरनाईक, बीजेपी से नरेंद्र मेहता, रवि व्यास, आरपीआई (आठवले) से देवेंद्र शेलेकर, एनसीपी से आसिफ शेख तथा सभी दलों के पदाधिकारी मौजूद थे।

निर्दलीय बिगाड़ सकते हैं हार जीत का समीकरण

वहीं दूसरी तरफ देखें तो अन्य निर्दलीय उम्मीदवारों में खुद के दम पर चुनाव जीतने की क्षमता तो नहीं नजर आ रही, लेकिन वोट काटकर वे चुनाव में मुख्य प्रतिद्वंदी उम्मीदवारों के हार जीत का समीकरण बिगाड़ने की ताकत अवश्य रखते हैं। कुल मिलाकर देखें तो मनसे के संदीप राणे बीजेपी और कांग्रेस दोनों का कुछ हद तक वोट काटेंगे। निर्दलीय हंसुकुमार पांडे कई वर्षों तक कांग्रेस से जुड़े रहे हैं, लेकिन उत्तर भारतीय होने के नाते वे भी कांग्रेस और बीजेपी को नुकसान पहुंचा सकते हैं। पूर्व उपनगराध्यक्ष अरुण कदम की पकड़ हर समाज के लोगों पर रही है और वैसे भी कदम सभी मुख्य राजनीतिक दलों में पदाधिकारी रहे हैं, तो वे भी कांग्रेस, बीजेपी और निर्दलीय गीता जैन के वोट भी काट सकते हैं।

कार्यकर्ताओं को जमीनीस्तर पर काम करने कहा

प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए सरनाईक ने मीरा भाईंदर विधानसभा से नरेंद्र मेहता और ओवला मजीवाड़ा विधानसभा से खुद के लिए सभी पदाधिकारी, कार्यकर्ताओं को जमीनीस्तर पर कार्य करने का आवाहन किया। बीजेपी उम्मीदवार नरेंद्र मेहता ने भी मीरा भाईंदर के विकास के लिए 44 संकल्प लेने का वचन दिया। रवि व्यास ने स्थानीय स्तर के मतभेद मिटाकर पार्टी द्वारा दिए गए उम्मीदवार मेहता के लिए कार्य करने का संकल्प लिया और महायुति के सभी घटक दलों ने युति धर्म के पालन का वादा किया।

हेलीकॉप्टर से AB फार्म भेजना पड़ा महंगा

निवार्चन आयोग ने दिए जांच के आदेश

डीबीडी संवाददाता | नासिक

नासिक जिले में विधानसभा की 3 सीटों के लिए विशेष विमान द्वारा लाए गए 'एबी फॉर्म' की खबर के बाद चुनाव आयोग ने भी इसका संज्ञान लिया है। आयोग ने जिला प्रशासन को इस मामले की जांच के आदेश दिए हैं। जिला प्रशासन ने एयर ट्रैफिक कंट्रोल रूम से इस संबंध में जानकारी मांगी है। इसके बाद प्रत्याशियों में खलबली मची है। निर्वाचन आयोग ने इस मामले में जिला प्रशासन से विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव की धूम

मची हुई है। नासिक जिले में गठबंधनों और पार्टियों के भीतर बगावत और मित्रतापूर्ण लड़ाई का नया अध्याय शुरू हो गया है। वहीं नामांकन दाखिल करने के आखिरी दिन 'एबी फॉर्म' को लेकर नाटकीय घटनाएं घटीं। देवलीली और दिंडोरी में एक-एक उम्मीदवार के लिए विशेष विमान से 'एबी फॉर्म' भेजा गया। अंतिम कुछ मिनटों में यह दाखिल होने से उम्मीदवारी पर आधिकारिक मुहर लग गई। इगतपुरी के लिए एक 'एबी फॉर्म' दस मिनट देर से आया, जिससे वह दाखिल नहीं हो सका। इस मामले को लेकर चुनाव आयोग ने जिला निर्वाचन शाखा से जानकारी मांगी है। आयोग ने पूछा है कि विमान किसने बुलाया, इसमें कौन थे, किन उम्मीदवारों के लिए फॉर्म मंगाए गए और इसके लिए कितना खर्च हुआ।

एयर ट्रैफिक कंट्रोल विभाग से मांगी जानकारी

निर्वाचन आयोग के आदेश के बाद नासिक जिला प्रशासन ने जांच शुरू कर दी है और हेलीकॉप्टर से एबी फॉर्म भेजने को लेकर एयर ट्रैफिक कंट्रोल विभाग से जानकारी मांगी है। आयोग ने जिला प्रशासन को विस्तृत रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए हैं।

उम्मीदवारों के खातें में जुड़ेंगा खर्च

विमान से यात्रा का खर्च उम्मीदवार के फॉर्म के लिए हुआ, तो यह खर्च उम्मीदवार के खाते में जाएगा अन्यथा, यह खर्च पार्टी के खाते में जा सकता है। पार्टी के खर्च पर कोई सीमा नहीं है, लेकिन यदि यह खर्च उम्मीदवार के खाते में आता है, तो विमान किराए पर लेने का खर्च अधिक होगा। इससे संबंधित उम्मीदवारों के आगे के खर्च पर बड़ी समस्याएं आ सकती हैं।

अजीत पवार के बागी उम्मीदवार भ्रष्टाचार व अपराध को दूर भगाएंगे

डीबीडी संवाददाता | उल्हासनगर

प्रदेश में शरद पवार से अलग हुए अजीत पवार की राकांपा पार्टी से उल्हासनगर में महायुति से बगावत कर भरत (गंगोत्री) राजवानी ने अपक्ष चुनाव लड़ने के लिए फार्म भरा है। गंगोत्री ने सोमवार को आखिरी दिन होते हुए भी फार्म वापस नहीं लिया और चुनावी मैदान में डटे हुए हैं।गंगोत्री ने बताया कि वे चुनाव उल्हासनगर से अपराध व भ्रष्ट्राचार को खत्म करने के लिए लड़ रहे है। उल्हासनगर में भ्रष्टाचार के चलते शहर की सड़कों के कारण लोगों व वाहन चालकों का जीना हो गया हैं। लोगों को उनकी मूलभूत सुविधा नहीं मिल पा रही है। इतना ही नहीं नशाखोरी के चलते अपराध चरम पर पहुंच गया

है। जिसे रोकने में प्रशासन फेल है। शहर में विरोधी अफवाह फैला रहे थे कि गंगोत्री पर्चा वापस ले लेंगे। परंतु गंगोत्री ने पर्चा वापस न लेकर विरोधियों के आकलन व अफवा पर पानी फेर दिया हैं।उल्हासनगर से राकांपा अजीत पवार की पार्टी से शहर अध्यक्ष गंगोत्री ने अपक्ष पर्चा भर शहर में भ्रष्टाचार व अपराध रोकने में फेल भाजपा के पूर्व विधायक कुमार आयलानी व ओमी कालानी के खिलाफ अपना चुनावी बिगुल बजाया है। गंगोत्री ने महायुति से बगावत करमहायुति के अधिकृत उम्मीदवार भाजपा के कुमार आयलानी के खिलाफ आरोप लगाते हुए फार्म वापस न लेते हुए चुनावी मैदान में हैं।भरत गंगोत्री के द्वारा अपराध व भ्रष्टाचार को उल्हासनगर से खत्म करने के मुद्दे पर उल्हासनगर के राजनीतिक गलियारे में चर्चाओं के साथ ही उपहास शुरू हैं कि जिस पार्टी के गंगोत्री सदस्य व शहर अध्यक्ष है।अब वह शहर को कालानी व आयलानी मुक्त विकास की नयी गति के नारे के साथ मैदान में डटे हुए हैं।

मतदाता को असुविधा नहीं हो इसके लिए मतदान केंद्रों पर सभी सुविधा हो: अशोक शिनगारे

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

विधानसभा चुनाव 2024 के लिए ठाणे जिला प्रशासन पूरी तरह से तैयार है।20 नवंबर को मतदान प्रक्रिया के लिए जिले की 18 विधानसभा चुनाव क्षेत्र के सभी मतदान केंद्रों पर मतदाताओं के लिए किये गए सुविधाओं का निरीक्षण जिला चुनाव निर्णय व जिलाधिकारी अशोक शिनगारे ने निरीक्षण किया। साथ ही शांतिपूर्ण तरीके से मतदान हो इसके लिए सभी लोगों को जिम्मेदारी गंभीरता से लेने के लिए निर्देश दिया। जिलाधिकारी कार्यालय पर समिति सभागृह में जिला चुनाव निर्णय व जिलाधिकारी अशोक शिनगारे की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई।इस बैठक में उपजिला चुनाव अधिकारी वैशाली माने,मनपा नगर अभियंता सहित 18 विधानसभा के अभियंता उपस्थित थे। ठाणे मनपा क्षेत्र के अंतर्गत 1 हजार 546 मतदान केंद्र, कल्याण डोंबिवली मनपा क्षेत्र के अंतर्गत 1 हजार 261 मतदान केंद्र, ग्रामीण भागों में 1 हजार 124 मतदान केंद्र, नवी मुंबई मनपा क्षेत्र के अंतर्गत 831 मतदान केंद्र, मीरा भाईंदर मनपा क्षेत्र के अंतर्गत 755 मतदान केंद्र, भिवंडी मनपा क्षेत्र के अंतर्गत 586 मतदान केंद्र, उल्हासनगर मनपा क्षेत्र के अंतर्गत 399 मतदान केंद्र,साथ ही सभी नगरपालिका क्षेत्र के अंतर्गत 453 मतदान केंद्रों के सुविधाओं की जवाबदारी सभी महानगरपालिका व नगरपालिका को है और ग्रमीण इलाकों के मतदान केंद्रों की जिलापरिषद की।यह निर्देश जिला चुनाव निर्णय अधिकारी शिनगारे ने दिया।जिले की 18 विधानसभा चुनाव क्षेत्रों के सभी मतदान केंद्रों पर मतदाता के लिए सूचना फलक, दिशादर्शक, दिव्यांगों के लिए रैंप की सुविधा,मतदाता सहायता केंद्र, मंडप व्यवस्था,पीने के लिए पानी की सुविधा, प्रतिक्षालय,मतदान के लिए लाइन में खड़े मतदाता के लिए कुर्सी की व्यवस्था, मतदान केंद्र के नजदीक मोबाइल टॉयलेट की व्यवस्था, प्रथमोपचार सुविधा, मतदान केंद्र पर पालना घर, दिव्यांग के लिए व्हीलचेअर की सुविधा की व्यवस्था के लिए बैठक में निर्देश दिया।

मनोज जरांगे का यू टर्न

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मराठा आरक्षण के लिए लगातार आंदोलन कर रहे मराठा कार्यकर्ता मनोज जरांगे पाटिल ने विधानसभा चुनाव से हटने का बड़ा फैसला किया है। जरांगे ने चुनाव नहीं लड़ने की घोषणा करते हुए कहा कि एक जाति से जीतना संभव नहीं है क्योंकि लिस्ट ही नहीं आई है। हालांकि, अगर वे चुनाव नहीं लड़ने जा रहे हैं, तो क्या वे उम्मीदवार छोड़ देंगे? जरांगे ने इस संबंध में अपनी स्थिति भी स्पष्ट कर दी है। जरांगे ने चुनाव नहीं लड़ने के पीछे की वजह भी बताई है। रिपोर्ट के मुताबिक, चुनाव से पीछे हटने की घोषणा करते हुए मनोज जरांगे पाटिल ने कहा कि मैं किसी के दबाव में पीछे नहीं हटा हूं। न तो मैं चुनाव में किसी को चुनने के लिए कहने जा रहा हूं। मैं किसी को खत्म नहीं करना चाहता, लेकिन अगर कोई मेरे आंदोलन से जुड़ेगा तो मैं कार्यक्रम करूंगा। जरांगे पाटिल ने कहा है कि मराठा समुदाय का आंदोलन जारी रहेगा। हर घर में मराठा हैं, चाहे वे चुनाव प्रक्रिया में हों या नहीं। हमारे पीछे हटना का तो सवाल ही नहीं है। ये आंदोलन जारी रहेगा थमने वाला नहीं है। जरांगे पाटिल ने कहा कि हम किसी का भी समर्थन नहीं करते हैं। हमारे सदस्यों को अपना अपना आवेदन वापस ले लेना चाहिए। चाहे महा विकास अघाड़ी हो या महायुति, दोनों पक्षों के नेता एक ही हैं। इनमें से कोई भी हमारा साथ नहीं देगा। हमें किसी के पक्ष में प्रचार भी नहीं करना है और न ही वोट को लेकर किसी प्रकार की कोई सभा करनी है। मेरे ऊपर किसी भी पार्टी का कोई दबाव नहीं था। मेरे पीछे हटने का तो कोई सवाल ही नहीं, मैं बस चुनाव से पीछे हटा हूं।

-पेज 8 भी देखें

जीएलआरए इंडिया द्वारा डी.बी.शंकर के सहयोग ड्राइवरों के लिए स्वास्थ्य शिविर

डीबीडी संवाददाता | भिवंडी

नई दिशा परियोजना अंतर्गत जर्मन लेप्रोसी एंड टीबी रिलीफ एसोसिएशन इंडिया (जीएलआरए इंडिया) द्वारा डी.बी.शंकर के सहयोग से अंजुर इंडियन ऑईल पेट्रोलपंप, मानकोली भिवंडी में एक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य ट्रक ड्राइवरों, सहायकों और संबंधित समुदायों को आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना था, जो अक्सर अपने व्यस्त यात्रा कार्यक्रम के कारण चिकित्सा

सुविधाओं तक पहुंचने में असमर्थ होते हैं। जीएलआरए इंडिया पिछले 9 महीनों से भिवंडी में ट्रक चालक समुदाय के लिए टीबी उन्मूलन कार्यक्रम लागू कर रहा है। संगठन का लक्ष्य ट्रक चालक समुदाय को स्वस्थ और सशक्त बनाना, उन्हें टीबी जैसी गंभीर बीमारियों के प्रति जागरूक करना और समय पर इलाज कराना है। इस कार्यक्रम के माध्यम से ट्रक ड्राइवरों और उनके सहायक कर्मचारियों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाई जा रही हैं, ताकि उनकी स्वास्थ्य संबंधी जरूरतें पूरी हो सकें। स्वास्थ्य शिविर में 100 से अधिक लोगों ने भाग लिया, जिन्हें टीबी जांच, एक्सरे जांच, मधुमेह जांच, रक्तचाप माप और आंखों की जांच जैसी महत्वपूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की गईं। के.बी. हाजी बचुअली ईएनटी अस्पताल परेल के डॉक्टरों और कर्मचारियों ने आंखों की जांच भी की। शिविर में भाग लेने वाले लाभार्थियों को आवश्यकतानुसार दवाएं भी दी गईं। स्वास्थ्य जांच के साथ-साथ ट्रक चालक समुदाय के लिए एक विशेष स्वास्थ्य वार्ता का आयोजन किया गया, जिसमें टी बी के लक्षण, उपचार और रोकथाम के बारे में जागरूकता पैदा करने पर जोर दिया गया।डीबी शंकर के सहयोग से जीएलआरए इंडिया द्वारा संचालित 'नई दिशा' परियोजना ने स्वास्थ्य शिविरों के माध्यम से ट्रक ड्राइवरों और उनके सहयोगियों को टीबी के बारे में जागरूक करने का सफलतापूर्वक प्रयास किया।

उल्हासनगर में दिल दहलाने वाली घटना

सुरक्षा गार्ड ने चार साल की बच्ची से की घिनौनी हरकत

डीबीडी संवाददाता | उल्हासनगर

उल्हासनगर शहर के दशहरा मैदान परिसर में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आयी है। जिसमें एक 17 साल के सिक्योरिटी गार्ड ने उसी बिल्डिंग में रहने वाली चार साल की बच्ची से छेड़छाड़ की। इस घटना से लोगों में बड़ी नाराजगी है। पुलिस ने पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आरोपी को हिरासत में ले लिया है। मिली जानकारी के मुताबिक पीड़ित लड़की मूल रूप से नेपाल की रहने वाली है और अपने माता-पिता के साथ उल्हासनगर शहर में रहती है। उसके पिता उसी बिल्डिंग में सुरक्षा गार्ड के रूप में काम करते हैं। आरोपी 17 वर्षीय युवक भी उसी इमारत में दिन के समय सुरक्षा गार्ड के रूप में काम करता है। वह राजस्थान राज्य का रहनेवाला है,और उनका परिवार भी कई वर्षों से उल्हासनगर में रह रहा है। और आरोपी दिन में गुब्बारे बेचने का भी काम करता है। शनिवार दोपहर किशोरी घर में अकेली थी। उसके माता-पिता काम के सिलसिले में बाहर गए थे। मौका पाकर आरोपी लड़की के घर में घुस गया और दरवाजा बंद कर उसके साथ दुष्कर्म किया। इसी दौरान पड़ोस में रहने वाले एक निवासी ने दरवाजा बंद होने का संदेह होने पर दरवाजा खोला। तभी उन्होंने बच्ची को रोते हुए देखा। निवासियों ने तुरंत पुलिस से संपर्क किया और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पीड़ित लड़की को सेंट्रल अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मेडिकल जांच की गई। जांच रिपोर्ट में यौन शोषण की बात सामने आई।

सुप्रीम कोर्ट से सिडको को झटका

शीर्ष न्यायालय ने कहा- बच्चों के लिए कुछ हरे-भरे मैदानों की जरुरत

डीबीडी संवाददाता | भिवंडी

नवी मुंबई। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को सिटी एंड इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (सिडको) की याचिका खारिज कर दी, जिसमें नवी मुंबई में एक खेल परिसर के लिए निर्धारित भूमि को निजी बिल्डरों को पुनः आवंटित करने के महाराष्ट्र सरकार के कदम के खिलाफ बॉम्बे हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती दी गई थी। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) डीवाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने नवी मुंबई जैसे शहरी क्षेत्रों में हरित स्थानों को संरक्षित करने के महत्व पर जोर दिया। शहरी विस्तार के बीच खुले क्षेत्रों की घटती उपलब्धता को रेखांकित करते हुए सीजेआई ने टिप्पणी की, हमें अपने बच्चों के लिए कुछ हरित स्थानों की आवश्यकता है, खासकर मुंबई जैसे शहरों में।सीजेआई ने आगे कहा, ये कुछ बचे हुए हर-भरे जगह हैं, और हमें इन्हें संरक्षित करना चाहिए। सिडको के बारे में ज्यादा कुछ नहीं कहना चाहिए। उन्होंने बताया कि मॉल और आवासीय परिसरों के निर्माण के लिए बिल्डरों को हरित क्षेत्र दिए गए थे। सीजेआई ने कहा कि नवी मुंबई के बच्चों को स्कूल से लौटने के बाद खेल खेलने के लिए पड़ोसी रायगढ़ जिले में कई किलोमीटर की यात्रा नहीं करनी चाहिए। राज्य सरकार ने खेल परिसर को रायगढ़ जिले के मानगांव में स्थानांतरित करने का भी फैसला

किया था, जो मौजूदा साइट से 115 किलोमीटर दूर है। पीठ ने पहले मुंबई और नवी मुंबई जैसे शहरों में बचे हुए कुछ हरित क्षेत्रों के संरक्षण पर जोर दिया था, जो केवल ऊर्ध्वाधर विकास देख रहे थे। नवी मुंबई में भूमि 2003 और 2016 में खेल परिसर के लिए निर्धारित की गई थी, लेकिन योजना प्राधिकरण ने इसका एक हिस्सा आवासीय और वाणिज्यिक उद्देश्यों के लिए एक निजी डेवलपर को आवंटित कर दिया था। शीर्ष अदालत ने संक्षिप्त सुनवाई के दौरान कहा था, सरकार बची हुई हरित जगहों पर घुसपैठ करती है और उन्हें बिल्डरों को दे देती है। सीजेआई ने आगे कहा, मुंबई और नवी मुंबई जैसे शहरों में बहुत कम हरित क्षेत्र बचे हैं। आपको उन्हें संरक्षित करना होगा और बिल्डरों को निर्माण, निर्माण, निर्माण और निर्माण करने के लिए नहीं देना होगा। पीठ को यह जानकर प्रथम दृष्टया आश्चर्य हुआ कि राज्य स्तरीय खेल परिसर के लिए बनाई गई भूमि को विकास के लिए आवंटित किया जा रहा था और प्रस्तावित सुविधाओं को रायगढ़ जिले में स्थानांतरित किया जाना था। पीठ ने आश्चर्य जताया कि खेल परिसर की सुविधाओं का लाभ उठाने के लिए 115 किलोमीटर की यात्रा कौन करेगा, जिससे कुछ वर्षों बाद उस भूमि का भी यही हश्र होने की आशंका है। इसके बाद सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि नवी मुंबई में खेल परिसर के लिए बनाई गई भूमि का कोई हस्तांतरण नहीं होगा। जुलाई में, बॉम्बे उच्च न्यायालय ने राज्य के निर्णय को यह कहते हुए खारिज कर दिया था कि खेलों ने लोगों और राष्ट्र के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। कोर्ट ने कहा था कि, यह सही समय है कि सरकार इसे व्यावसायीकरण और कंक्रीटीकरण मंत्र के बराबर महत्व दे।

महिला के पति की गैरकानूनी रूप से गिरफ्तारी के लिए सरकार देगी 1 लाख का मुआवजा

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

बॉम्बे हाईकोर्ट ने मुंबई पुलिस के गलत आचरण और सत्ता के दुरुपयोग की निंदा करते हुए महिला रत्ना वन्नम को उनके पति चंद्रकांत की गैरकानूनी रूप से गिरफ्तारी के लिए 1 लाख रुपए का मुआवजा देने का आदेश दिया है। अदालत ने पाया कि व्यक्ति की गिरफ्तारी अन्यायपूर्ण और सत्ता का दुरुपयोग थी और राज्य सरकार को गैरकानूनी गिरफ्तारी और परिवार को हुई मानसिक प्रताड़ना के लिए मुआवजा देने चाहिए। न्यायमूर्ति भारती डांगरे और मंजूषा देशपांडे की अगुवाई वाली पीठ के समक्ष रत्ना वन्नम की ओर से वकील सुविधा पाटिल की दायर याचिका पर सुनवाई हुई। पीठ ने याचिका को स्वीकार करते हुए कहा कि व्यक्ति की गिरफ्तारी उचित प्रक्रिया के बिना अनुचित प्रावधानों के तहत की गई थी। पीठ ने गहन जांच नहीं करने के लिए मुंबई पुलिस की आलोचना की और गंभीर आरोपों के बावजूद दंपत्ति द्वारा शिकायत करने पर आवश्यक हलफनामा दायर करने में विफल रहने के लिए जाधव पर 2000 रुपए का जुर्माना लगाया। पीठ ने इस बात पर जोर दिया कि पुलिस अधिकारियों को विवेकपूर्ण तरीके से शक्ति का प्रयोग करना चाहिए और उचित कारण के बिना हिरासत में लेना अधिकारों का उल्लंघन है। यह देखते हुए कि चंद्रकांत वन्नम की हिरासत शक्ति के दुरुपयोग का एक स्पष्ट उदाहरण थी। पीठ ने राज्य सरकार को वन्नम को 1 लाख रुपए का मुआवजा देने का आदेश दिया, जिसे एपीआई जाधव सहित जिम्मेदार लोगों से वसूला जा सकता है। रत्ना वन्नम की वकील सुविधा पाटील ने दलील दी कि एपीआई जाधव के पास उनके पति और मजदूरों को बिना कारण गिरफ्तार करने का कोई आधार नहीं था। इसके अलावा जाधव ने कथित तौर पर मामले को सुलझाने के लिए 10 हजार रुपए की रिश्वत मांगी थी। पीठ ने पाया कि पुलिस ने तथ्यों की पुष्टि किए बिना केवल महिला की शिकायत पर भरोसा किया था, जो पूर्वाग्रह और कदाचार को दर्शाता है। सितंबर 2012 में दंपति ने वडाला के सिद्धार्थ नगर में अपनी झोपड़ी की मरम्मत करवाई, जो भारी बारिश से क्षतिग्रस्त हो गई थी। इसको लेकर उनकी पड़ोसी जगदेवी सुरकांत भगोड़े ने मरम्मत की अनुमति दिलाने के नाम पर 20 हजार रुपए की मांग की और पैसे का भुगतान नहीं करने पर पुलिस कार्रवाई के लिए अपने संबंधों का इस्तेमाल करने की धमकी दी। दंपति ने वडाला टीटी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराने का प्रयास किया, लेकिन सहायक पुलिस निरीक्षक (एपीआई) तुकाराम जाधव ने इसे बीएमसी का मामला बताते हुए शिकायत दर्ज करने से इनकार कर दिया।

DBD
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

दो बजे दोपहर

बीवीए को मिलेगा सीटी चुनाव चिह्न

निर्वाचन आयोग ने बंबई हाई कोर्ट में दी दलील

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव है। सोमवार को नामांकन वापसी के बाद सभी सीटों पर उम्मीदवारों की संख्या तय हो गई है। अब पार्टियों के अधिकृत प्रत्याशियों और निर्दलीय प्रत्याशियों को चुनाव चिह्न आवंटित किए जाएंगे। इससे पहले सोमवार को महाराष्ट्र के राजनीतिक द्वारा चुनाव चिह्न को लेकर दायर याचिका पर बंबई उच्च न्यायालय में सुनवाई हुई है। इस सुनवाई के दौरान चुनाव आयोग ने चुनाव चिह्न आवंटित किए जाने को लेकर महत्वपूर्ण जानकारी दी।

सोमवार को बंबई उच्च न्यायालय में न्यायमूर्ति सोमशेखर सुंदरसन और न्यायमूर्ति आरिफ डॉक्टर की पीठ ने बहुजन विकास आघाड़ी द्वारा पार्टी को चुनाव चिह्न आवंटित करने के अनुरोध वाली याचिका पर सुनवाई की। सोमवार को निर्वाचन आयोग ने बंबई हाई कोर्ट को बताया कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों के लिए जरूरी दिशा-निर्देशों का पालन करने के बाद हितेंद्र ठाकुर के नेतृत्व वाली बहुजन विकास आघाड़ी (VBA) को सीटी चुनाव चिह्न आवंटित किया जाएगा।

जनवरी में जनता दल (यू) को दिया था सीटी चुनाव चिह्न

बता दें कि इस साल जनवरी में निर्वाचन आयोग ने जनता दल (यूनाइटेड) को सीटी चुनाव चिह्न आवंटित किया था। महाराष्ट्र की पालघर लोकसभा सीट से बीवीए के उम्मीदवार ने 2024 का चुनाव सीटी चुनाव चिह्न पर लड़ा, क्योंकि जनता दल (यू) का कोई उम्मीदवार नहीं था। निर्वाचन आयोग ने सुनवाई के दौरान अदालत के समक्ष जनता दल (यू) से प्राप्त एक पत्र प्रस्तुत किया, जिसमें आयोग को 20 नवंबर को होने वाले महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव नहीं लड़ने के अपने फैसले के बारे में सूचित किया गया था।

जेडीयू ने वापस किया चुनाव चिह्न

जनता दल (यूनाइटेट) ने पत्र में कहा कि पार्टी 30 जनवरी 2024 के आदेश के आधार पर उसे आवंटित सीटी चुनाव चिह्न को वापस कर रही है।" निर्वाचन आयोग ने अदालत को बताया कि चूंकि बीवीए के याचिकाकर्ता ने सीटी चुनाव चिह्न के लिए आवेदन किया था, इसलिए इसे जरूरी नियमों/दिशानिर्देशों में निर्धारित प्रक्रिया का पालन करके पार्टी को आवंटित किया जाएगा। आयोग की दलील के बाद बंबई उच्च न्यायालय की पीठ ने बीवीए की याचिका का निपटारा कर दिया।

चुनाव से पहले अजित पवार को बड़ी राहत

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

शिवसेना के उम्मीदवारों ने दो सीटों से वापस लिए नामांकन

महाराष्ट्र चुनाव में नामांकन वापसी के आखरी दिन अजित पवार की एनसीपी को बड़ी सफलता मिली है। महायुति में आपसी मतभेद के कारण एनसीपी और शिवसेना दोनों पार्टियों ने अपने-अपने उम्मीदवार उतारे थे। लंबी बातचीत और आपसी सहमति के बाद एकनाथ शिंदे की शिवसेना ने अजित पवार गुट के खिलाफ उतारे दो उम्मीदवारों के नामांकन वापस लिए हैं। नामांकन वापस लेने के आखरी दिन सोमवार को शिवसेना (शिंदे गुट) के दो उम्मीदवारों ने विधानसभा चुनाव के लिए अपनी उम्मीदवारी वापस ले ली है। अणुशक्ति नगर विधानसभा क्षेत्र से अविनाश हैबत राणे और दिंडोरी विधानसभा क्षेत्र से धनराज हरिभाऊ महाले ने चुनाव से अपने नाम वापस ले लिए।

दोनों सीटों पर NCP के उम्मीदवार

महायुति ने दिंडोरी विधानसभा सीट से एनसीपी ने वर्तमान विधायक और महाराष्ट्र विधानसभा के उपाध्यक्ष नरहरी झिरवल को उम्मीदवार बनाया है। वहीं अणुशक्ति नगर में एनसीपी के वरिष्ठ नेता नवाब मलिक की बेटी सना मलिक को टिकट दिया है। नवाब मलिक ने इस सीट का पांच बार प्रतिनिधित्व किया है।

अजित पवार की अहम भूमिका

विधानसभा चुनाव के मतदान से पहले यह एनसीपी और महायुति के लिए एक बड़ी मजबूती मानी जा रही है। अजित पवार ने इन दोनों उम्मीदवारों के नामांकन वापस करवाने में अहम भूमिका निभाई, जिससे महायुति की चुनावी संभावनाओं को और बल मिला है। इस रणनीतिक कदम ने अजित पवार की प्रभावशाली राजनीतिक समझ और सहयोगियों के साथ एकता बनाए रखने की उनकी क्षमता को उजागर किया है।

नवाब मलिक के खिलाफ शिवसेना ने उतारा उम्मीदवार

बता दें कि महायुति में शामिल बीजेपी ने अजित पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी के नेता नवाब मलिक की उम्मीदवारी का विरोध किया है। वहीं मलिक के खिलाफ मानखुर्द शिवाजीनगर विधानसभा सीट से एकनाथ शिंदे के शिवसेना ने अपना उम्मीदवार भी उतारा है। शिवसेना ने नवाब मलिक की बेटी सना मलिक के खिलाफ भी उम्मीदवार खड़ा किया था। लेकिन अब बातचीत के बाद शिवसेना उम्मीदवार ने नामांकन वापस ले लिया है।

'पार्टी में फूट डालने वाले गद्दारों को सिखाएंगे खबक'

गिरीश महाजन ने बागियों को दी चेतावनी

डीबीडी संवाददाता । मुंबई/नासिक

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए नाम वापसी का सोमवार को आखरी दिन था। महायुति और महाविकास अघाड़ी के कई बागियों ने सोमवार को नामांकन वापस लिया है। लेकिन कुछ बागियों ने अब भी शीर्ष नेतृत्व के प्रयासों के बाद भी नाम वापस नहीं लिए है। इन नेताओं को ग्रामविकास मंत्री गिरीश महाजन ने सख्त चेतावनी दी है। गिरीश महाजन ने कहा कि जो लोग पार्टी के साथ गद्दारी करते हैं और फूट डालते हैं, उन्हें आगे चलकर उन्हें सबक सिखाया जाएगा। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि वह पार्टी के प्रति एकनिष्ठ हैं और कभी भी समझौता नहीं किया है। इसलिए, उनका किसी भी बागी को समर्थन और आशीर्वाद नहीं है। महाराष्ट्र में महायुति में कहीं भी बगावत नहीं होगी। नासिक में टिकट वितरण के बाद हुई नाराजगी दूर हो गई है और बागी व नाराज लोगों के साथ व्यक्तिगत चर्चा हुई है। इसके बाद 4 तारीख की नाम वापसी के बाद नाराज और बागी लोग महायुति के प्रचार के लिए एकजुट होंगे, ऐसा दावा किया गया है। विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के लिए नामांकन दाखिल होने के बाद सोमवार को नाम वापस लिए गए। नासिक जिले में 15 विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में इस बार महायुति में बड़े पैमाने पर बगावत हुई है।

विपक्ष ने किया झूठा प्रचार

बीजेपी नेता गिरीश महाजन ने यह भी कहा कि लोकसभा चुनाव के दौरान विपक्ष ने झूठे प्रचार किया था, जिससे महायुति को नुकसान हुआ, लेकिन अब परिस्थितियां अलग हैं और राज्य सरकार की अच्छी योजनाओं के कारण महायुति की सरकार फिर से बनेगी और मुख्यमंत्री भी महायुति का होगा।

महायुति एकजुट है

गिरीश महाजन नासिक में बागी और नाराज नेताओं के साथ चर्चा करने के लिए खुद मौजूद थे। उन्होंने चर्चा के बाद पत्रकारों से बात करते हुए दावा किया कि महायुति एकजुट है। महाजन ने कहा मैंने दो दिनों में हर किसी से बात की और पिछले समय में हुए अन्याय और शिकायतों को सुना। उन्होंने यह भी कहा कि महायुति के नेता अब एकजुट होकर चुनाव में उतरेंगे। गिरीश महाजन ने आश्वासन दिया है कि आगे चलकर हर किसी को न्याय मिलेगा। उन्होंने कहा कि अब सभी लोग प्रचार में सक्रिय होंगे और भाजपा के विधायकों ने पिछली गलतियों को सुधारने का वादा किया है, जिससे कार्यकर्ताओं को अधिक मौके मिलेंगे। महाजन ने यह भी कहा कि जिन लोगों ने पार्टी को बड़े पद दिए और फिर गद्दारी की, उन्हें आने वाले समय में कार्यकर्ता और मतदाता अपनी जगह दिखा देंगे।

डीजीपी के हटते ही फेल हो जाएगी महायुति सरकार की चुनावी चाल : वडेट्टीवार

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र के विपक्ष के नेता और कांग्रेस नेता विजय वडेट्टीवार ने सोमवार को चुनाव आयोग द्वारा महाराष्ट्र की डीजीपी रश्मि शुक्ला के तबादले के फैसले का स्वागत किया और कहा कि चुनावी गड़बड़ियों के माध्यम से चुनाव जीतने की महायुति सरकार की मंशा विफल हो गई है। हम चुनाव आयोग के इस फैसले का स्वागत करते हैं। कांग्रेस नेता विजय वडेट्टीवार ने कहा कि उन्हें नियुक्त करने के लिए महायुति सरकार की क्या मजबूरी थी ? उन्हें सेवा विस्तार देने की क्या जरूरत थी ? इसका उद्देश्य यह था कि चुनाव पारदर्शी न हों। वे विसंगतियों के माध्यम से चुनाव जीतना चाहते थे। उनकी मंशा विफल हो गई है। पवार साहब ने भी इस पर चिंता जतायी थी। हमने भी आयोग को इस पर दो पत्र भेजे थे।

मुंबई भाजपा प्रमुख आशीष शेलार ने कहा कि महा विकास अघाड़ी (एमवीए) को यह स्वीकार करना चाहिए कि चुनाव आयोग (ईसी) निष्पक्ष है, क्योंकि रश्मि शुक्ला का तबादला उनके अनुरोध पर किया गया था और अगर उनकी इच्छा के विरुद्ध कोई निर्णय लिया जाता है तो उन्हें यह दावा नहीं करना चाहिए कि चुनाव आयोग पक्षपाती है।

सीएम योगी आदित्यनाथ को जान से मारने की धमकी देने वाली महिला को मुंबई पुलिस ने छोड़ा

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

हाल ही में मुंबई पुलिस को एक संदेश मिला था जिसमें उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को जान से मारने की धमकी दी गई थी। जांच के बाद मुंबई पुलिस ने धमकी भरा मैसेज भेजने वाली युवती को पकड़ लिया। मुंबई पुलिस ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को कथित तौर पर जान से मारने की धमकी देने को लेकर पकड़ी गई 24 वर्षीय एक महिला को पूछताछ के बाद छोड़ दिया है। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी।

पूछताछ के बाद छोड़ा

ठाणे जिले के उल्हासनगर में अपने परिवार के साथ रहने वाली आईटी स्नातक फातिमा खान को महाराष्ट्र के आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) और पुलिस के संयुक्त अभियान में पकड़ा गया था।अधिकारी ने बताया कि उसे पूछताछ के लिए मुंबई लाया गया, नोटिस दिया गया और बाद में रविवार को घर जाने दिया गया। पुलिस के मुताबिक फातिमा खान अच्छी पढ़ी लिखी महिला है, लेकिन मानसिक तौर पर अस्थिर है। उसके पिता लकड़ी का कारोबार करते हैं।

भाजपा के पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी ने महाराष्ट्र चुनाव से नामांकन लिया वापस

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए आखिरी तारीख खत्म हो गई है। जहां राजनीतिक दल से बगावत कर निर्दलीय नामांकन अर्ज दाखिल करने वाले नेता नामांकन वापस ले लिए हैं।

इस बीच गोपाल शेट्टी ने भी अपना नामांकन वापस ले लिया है। भारतीय जनता पार्टी के नेता पूर्व भाजपा सांसद गोपाल शेट्टी ने बोरीवली सीट से उम्मीदवारी न मिलने पर नाराजगी जाहिर की थी। जिसके बाद उन्होंने पार्टी से बगावत कर निर्दलीय चुनाव लड़ने का फैसला किया था और बोरीवली सीट से निर्दलीय चुनाव लड़ने के लिए नामांकन अर्ज दाखिल कर दिया था। उन्होंने बोरीवली सीट से भाजपा के आधिकारिक उम्मीदवार संजय उपाध्याय के खिलाफ नामांकन दाखिल किया था।

मुख्तार शेख ने नामांकन लिया वापस

गोपाल शेट्टी से पहले सोमवार को कस्बा विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस के बागी नेता मुख्तार शेख ने भी अपना नामांकन वापस ले लिया है। मुख्तार शेख ने निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर अपना नामांकन दाखिल किया था। मुख्तार शेख ने अपना नामांकन वापस लेने और एमवीए के आधिकारिक उम्मीदवार रवींद्र धांगेकर का समर्थन करने का फैसला किया है।

गोपाल शेट्टी ने झोपड़पट्टी को लेकर उठाया था मुद्दा

गोपाल शेट्टी कहते हैं, 'कभी कोई मतभेद नहीं था। एक खास मुद्दे से जुड़ी बातें थीं, मुझे लगता है कि यह सही जगह पर पहुंच गया है। क्या हुआ और कैसे हुआ, यह कहने की जरूरत नहीं है। लेकिन मैं यह कहना चाहूंगा कि पार्टी सर्वोच्च है, व्यक्ति छोटे हैं'।

देवेंद्र फडणवीस ने गोपाल शेट्टी को मनाया

बता दें, कि शनिवार को महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस भाजपा के पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी से मिलने उनके आवास पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने गोपाल शेट्टी से चुनाव से निर्दलीय नामांकन वापस लेने के लिए कहा था। इसके बाद गोपाल शेट्टी ने भी देवेंद्र फडणवीस को भरोसा दिलाया था कि वे ऐसा कोई काम नहीं करेंगे जिससे पार्टी को नुकसान हो। लेकिन नामांकन वापस नहीं लिया था और आज नामांकन वापस लेने के आखिरी दिन गोपाल शेट्टी ने बोरीवली विधानसभा क्षेत्र की सीट से अपना नामांकन वापस ले लिया है।

पुलिस ने दर्ज किया मृतक के खिलाफ पोक्सो का मामला

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

डीबी मार्ग इलाके में गुजरात के सूरत का एक व्यक्ति मुंबई के एक होटल में संदिग्ध परिस्थितियों में मृत पाया गया। इसकी जानकारी मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और उसे जे जे अस्पताल लेकर गई, जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस के मुताबिक मृत शख्स के साथ एक नाबालिग लड़की की भी मौजूद थी। नाबालिग लड़की की शिकायत पर यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण (पोक्सो) अधिनियम के पुलिस ने मृत शख्स के खिलाफ मामला दर्ज किया है और पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है। पुलिस के मुताबिक यह घटना शनिवार को शाम करीब 6:15 बजे हुई, जब होटल सुपर के प्रबंधक ने अधिकारियों को सूचित किया कि एक अतिथि अपने कमरे में बेहोश पाया गया है।

क्या है मामला ?

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक मृत व्यक्ति की पहचान संजय कुमार रामजीभाई तिवारी (42) के रूप में हुई है और वह सूरत का रहने वाला है। पुलिस ने पुष्टि की कि मृतक की परिचित 14 वर्षीय लड़की भी उस समय होटल के कमरे में मौजूद थी।तिवारी की मौत के बाद पुलिस ने लड़की की मां से पूछताछ की, जिसने आरोप लगाया कि मृतक ने उसकी बेटी के साथ जबरन मारपीट की थी। इस बयान के आधार पर पुलिस ने यौन उत्पीड़न के आरोपों सहित आईपीसी और पोक्सो अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है।

दुर्घटनावश मौत की रिपोर्ट दर्ज

डीबी मार्ग पुलिस स्टेशन ने दुर्घटनावश मौत की रिपोर्ट दर्ज की है और मृतक के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 137(2), 64(1), 65(1), 336(2), 336(3) और 340(2) के साथ-साथ पोक्सो एक्ट की धारा 4, 6, 8 और 10 के तहत आरोप दर्ज किए हैं। इस मामले में आगे की जांच जारी है और पुलिस को पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इन्तजार है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मृतक शख्स के मौत की असली वजह सामने आएगी।

पश्चिम रेलवे द्वारा मनाया गया 74वां स्थापना दिवस

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

पश्चिम रेलवे ने 5 नवंबर, 2024 को अपना 74वां स्थापना दिवस मनाया। अपनी विनम्र शुरुआत के बाद से रेलवे ने राष्ट्र की सेवा में अपने 70 वर्षों से अधिक की यात्रा में कई मील के पत्थर हासिल किए हैं। 74वें स्थापना दिवस की पूर्व संध्या पर पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक अशोक कुमार मिश्र ने पश्चिम रेलवे के मुख्यालय भवन की प्रिंट वाला एक स्मारिका सिक्का जारी किया, जो इस भवन के 125 वर्ष पूरे होने का जश्न मना रहा है। मिश्र ने अपने छह मंडलों के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को उनके काम के प्रति समर्पण और इन सभी वर्षों में पश्चिम रेलवे द्वारा हासिल की गई ढेरों उपलब्धियों के लिए बधाई दी।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक के अनुसार, बॉम्बे, बरोडा एंड सेंट्रल इंडिया (BB&CI) रेलवे को 1855 में शामिल किया गया था, जिसकी शुरुआत पश्चिमी तट पर गुजरात राज्य के अंकलेश्वर से उत्राण तक 29 मील की ब्रॉड गेज ट्रैक के निर्माण के साथ हुई थी और तब इसका मुख्यालय सूरत था। बाद में उसी वर्ष 21 नवंबर, 1855 को कंपनी ने सूरत से बड़ौदा और अहमदाबाद तक रेलवे लाइन बनाने के लिए ईस्ट इंडिया कंपनी के साथ एक समझौता किया। गुजरात में उगाए जाने वाले कपास की पश्चिमी बंदरगाह तक भरपूर आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए उतरन (सूरत के उत्तर में) से बॉम्बे तक एक लाइन शुरू करने के लिए एक और अनुबंध पर हस्ताक्षर किए गए। इसके अगले वर्ष लाइन पर काम शुरू हुआ और बॉम्बे में उतरन से ग्रांट रोड स्टेशन तक की लाइन आधिकारिक तौर पर 28 नवंबर, 1864 को खोल दी गई। यहीं से वर्तमान में मौजूद पश्चिम रेलवे की शुरुआत की नींव रखी गई।

अपने वर्तमान स्वरूप में पश्चिम रेलवे 5 नवंबर, 1951 को अपने पूर्ववर्ती, तत्कालीन बॉम्बे, बरोडा एंड सेंट्रल इंडिया (BB&CI) रेलवे के अन्य राज्य रेलवे जैसे सौराष्ट्र, राजपुताना और जयपुर के साथ विलय से अस्तित्व में आई। पश्चिम रेलवे का वर्तमान अधिकार क्षेत्र 6 मंडलों अर्थात मुंबई सेंट्रल, वडोदरा, अहमदाबाद, राजकोट, भावनगर और रतलाम मंडल में है। 3 मार्च, 1961 को पश्चिम रेलवे द्वारा शहरी इलाकों में यात्रियों की बढ़ती मांग के कारण 9 कोच वाली उपनगरीय ट्रेनें शुरू की गई। 1972 में, पश्चिम रेलवे ने अप नी प्रतिष्ठित मुंबई-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस ट्रेन शुरू की, जो भारतीय रेल नेटवर्क पर सबसे महत्वपूर्ण और व्यस्ततम लाइनों में से एक है। दुनिया की पहली महिला स्पेशल ट्रेन, पहली 15-डिब्बों वाली उपनगरीय ट्रेन और भारत में पूरी तरह से वातानुकूलित पहली उपनगरीय ट्रेन की शुरुआत से लेकर एक के बाद एक मील के पत्थर स्थापित करने की अपनी यात्रा जारी रखते हुए, इसने परिचालन, सुरक्षा और अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी को अपनाने जैसे विभिन्न क्षेत्रों में कई प्रथम स्थान अर्जित किए हैं। पश्चिम रेलवे विभिन्न गंतव्यों के लिए वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनें भी चला रहा है और हाल ही में भुज और अहमदाबाद के बीच नमो भारत रैपिड रेल की शुरुआत की गई है।

बॉम्बे हाईकोर्ट ने सीमा शुल्क विभाग को लगाई फटकार

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

बॉम्बे हाई कोर्ट ने प्रसिद्ध भारतीय कलाकारों फ्रांसिस न्यूटन सूजा और अकबर पद्मसी की सात पेंटिंग्स को को जब्त करने को लेकर सीमा शुल्क विभाग को फटकार लगाई है। अदालत ने उसे जब्त पेंटिंग्स को रिलीज करने का आदेश दिया है। सीमा शुल्क विभाग ने नग्न पेंटिंग को अश्लील होने का दावा करते हुए जब्त किया था। न्यायमूर्ति एम.एस.सोनक और न्यायमूर्ति जितेंद्र जैन की पीठ के समक्ष लंदन में नीलामी में अकबर पद्मसी के तीन और एफएन सूजा के चार पेंटिंग खरीदे वाली कंपनी बी.के.पोलीमेक्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड की ओर से श्रेयस श्रीवास्तव और सौरव श्रीवास्तव की दायर याचिका पर सुनवाई हुई। सीमा शुल्क विभाग की ओर से वकील जितेंद्र मिश्रा और वकील अभिषेक मिश्रा पेश हुए। सुनवाई के दौरान पीठ ने कहा कि सीमा शुल्क विभाग के अधिकारी बिना उचित औचित्य के यह निर्धारित करने के लिए सामुदायिक मानकों का प्रतिनिधित्व करने का मनमाने ढंग से दावा नहीं कर सकते कि क्या अश्लील है? पीठ ने एयरपोर्ट स्पेशल कार्गो कमिश्नरेट के सीमा शुल्क विभाग के सहायक आयुक्त के 1 जुलाई के आदेश को रद्द कर दिया, जिसके तहत पेंटिंग्स जब्त की गई थीं।

सार्वजनिक अधिसूचना

माहिम स्टेशन के माहिम साउथ फुट ओवर ब्रिज को बंद करना

माहिम साउथ **मुंबई महानगरपालिका फुट ओवर ब्रिज** हार्बर लाइन पर डेक स्लैब के पुनर्निर्माण के लिए तोड़ा जाना आवश्यक है. इसलिए, यह **दिनांक 10.11.2024 से 30.11.2024** तक बंद रहेगा. यात्रियों को होने वाली असुविधा के लिए बहुत खेद है।

पश्चिम रेलवे
wr.indianrailways.gov.in

लाइक करें: facebook.com/WesternRly 0703

पश्चिम रेलवे

रखरखाव कार्य

उप मुख्य अभियंता (निर्माण) II, पश्चिम रेलवे, रतलाम (म. प्र.) के माध्यम से प्रस्ताव आमंत्रित करता है. **ई-निविदा संख्या: आरटी एम/एनआरडी/डीवाईसीई (सीआर) II/9. कार्य का नाम:** निर्माण इकाई - रतलाम के आवासीय स्टाफ क्वार्टर, कार्यालय और अधिकारी विश्राम गृह की मरम्मत - रखरखाव तथा पश्चिम रेलवे की नीमच - रतलाम दोहरीकरण परियोजना के संबंध में विद्युत कार्यों सहित रतलाम में एस एंड टी गोदाम, एस एंड टी कार्यालय का निर्माण. **एनआईटी लागत:** 43783363.61/-. **बोली सुरक्षा:** 369000/-. **बोली जमा करने की अंतिम तिथि:** 22.11.2024, 15:00 बजे तक. **बोली खोलने की तिथि:** 22.11.2024 को 15:30 बजे. अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाएं 0704

लाइक करें: facebook.com/WesternRly

संपादकीय

नशे के खिलाफ जंग

निश्चित रूप से पंजाब नशे की गंभीर चुनौती से गुजर रहा है। जिसके खिलाफ व्यापक पैमाने पर योजनाबद्ध अभियान वक्त की जरूरत है। सरकारें लंबे समय से इसके विरुद्ध कार्रवाई की बात तो करती रही हैं, लेकिन जमीनी हकीकत में कम ही बदलाव नजर आया है। फिलहाल पंजाब में नशीले पदार्थों के खिलाफ जारी कार्रवाई नई प्रतिबद्धता को दर्शाती है। जाहिर बात है सीमा पार से शुरू किए गए छद्म युद्ध की कीमत पंजाब चुका रहा है, जिसने लंबे समय से पंजाब को जकड़ रखा है। पिछले दस महीनों में पंजाब पुलिस ने 153 बड़े ऑपरेटरों सहित 10,524 तस्करों को गिरफ्तार किया है। इसके अलावा भारी मात्रा में हेरोइन और अन्य नशीले पदार्थ बरामद किए हैं। सतही तौर पर ये आंकड़े एक सराहनीय कार्रवाई को दर्शाते हैं, लेकिन इसके बावजूद समस्या की विकटता को देखते हुए ये आंकड़े पर्याप्त नहीं हैं। वक्त की जरूरत है कि लगातार भयावह होती स्थिति में पुलिस को इस खेल की बड़ी मछलियों को बेनकाब करके नशे के प्रवाह पर रोक लगानी चाहिए। इसके बाद बड़े नशा तस्करों के खिलाफ व्यापक स्तर का अभियान चलाना चाहिए। जिससे समाज में यह संदेश जाए कि कोई कितना भी ताकतवर व्यक्ति क्यों न हो, कानून से ऊपर नहीं है। साथ ही यह भी कि समाज विरोधी कार्यों में लिप्त होने के गंभीर परिणाम हो सकते हैं। ऐसे तत्वों को राजनीतिक संरक्षण देने वाली ताकतों को भी बेनकाब करने की जरूरत है। हाल के दिनों में पंजाब ने स्थानीय तस्करों के साथ-साथ बड़े ड्रग नेटवर्क को लक्षित करने में महत्वपूर्ण सफलता हासिल की। जिसमें 790 किलोग्राम हेरोइन, 860 किलोग्राम अफीम और अन्य नशीले पदार्थों के साथ-साथ 13 करोड़ रुपये से अधिक ड्रग मनी जब्त की गई है। इन आपराधिक अभियानों की वित्तीय बुनियाद पर प्रहार करते हुए नशे के कारोबार से जुड़े लोगों की 208 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति जब्त की गई। हालांकि, अभी पर्दे के पीछे से काम करने वाले प्रमुख तस्करों को बेनकाब करने और कानूनन दंडित करने की सख्त जरूरत है। संदेश जाना जरूरी है कि इस काले कारोबार से जुड़े लोगों की दंडमुक्ति संभव नहीं है। इसके अलावा सीमा पार से चलाए जा रहे नशे के कारोबार का खात्म करना बेहद आवश्यक है। नशे की तस्करी में तमाम आधुनिक साधनों का उपयोग किया जा रहा है। पाकिस्तान पोषित इस नशीले कारोबार की भयावहता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि इस साल सीमा सुरक्षा बल ने पंजाब की पाकिस्तान से लगती सीमा से 183 ड्रोन जब्त किए। जो वर्ष 2023 में बरामद 107 ड्रोन से कहीं अधिक हैं। पाक प्रायोजित यह तस्करी परिष्कृत तरीके से की जा रही है, जिसके खिलाफ सुनियोजित कार्रवाई जरूरी है। हालांकि, बीएसएफ ने पहल करते हुए एंटी-ड्रोन सिस्टम लगाए हैं। जिसके सार्थक परिणाम भी मिल रहे हैं। पंजाब में नशे की गंभीर चुनौती को देखते हुए सीमा सुरक्षा को फुलप्रूफ करने की दिशा में कदम उठाए जाने चाहिये। जिसमें उच्च तकनीक व विभिन्न एजेंसियों में बेहतर तालमेल की जरूरत है।

परमाणु शक्ति से क्षुद्रग्रह संकट टालने की कोशिश

यदि कोई क्षुद्रग्रह पृथ्वी की तरफ खतरनाक ढंग से बढ़ता है तो क्या हम उसे रोक पाएंगे? वैज्ञानिक भविष्य में क्षुद्रग्रह के प्रहारों से बचने के लिए कई तरह के उपायों पर विचार कर रहे हैं। एक नए अध्ययन के अनुसार, एक परमाणु बम पृथ्वी को क्षुद्रग्रह के प्रभाव से बचा सकता है। प्रयोगशाला में दुनिया के सबसे शक्तिशाली जेड मशीन विकिरण स्रोत का उपयोग करके किए गए नए प्रयोग ने प्रदर्शित किया कि एक क्षुद्रग्रह के करीब परमाणु बम को विस्फोटित करके क्षुद्रग्रह की दिशा बदलने के लिए पर्याप्त बल उत्पन्न किया जा सकता है।

न्यू मैक्सिको की सैंडिया नेशनल लेबोरेटरी में जेड मशीन विकिरण स्रोत का संचालन करने वाली टीम का कहना है कि परमाणु विस्फोट द्वारा उत्पन्न शक्तिशाली एक्स-रे तरंगें क्षुद्रग्रह की सतह को वाष्पित करके उसकी दिशा मोड़ देंगी। इस अध्ययन के मुख्य लेखक नाथन मूर ने कहा, अधिकांश लोगों को क्षुद्रग्रहों से खतरा बहुत दूर की बात लगती है। लेकिन हमारा ग्रह हर दिन छोटे आकार के क्षुद्रग्रहों से टकराता है। हम उन्हें शूटिंग स्टार कहते हैं। हम किसी बड़े क्षुद्रग्रह के दिखने का इंतजार नहीं करना चाहते। हम उसकी दिशा बदलने के सही तरीके खोजना चाहते हैं। पिछले साल अमेरिका की नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज ने एक रिपोर्ट प्रकाशित की थी जिसमें कहा गया था कि ग्रहों की सुरक्षा एक राष्ट्रीय प्राथमिकता है।

विभिन्न मॉडलों ने दिखाया था कि परमाणु बम द्वारा बनाई गई शॉकवेव आने वाले क्षुद्रग्रह को सफलतापूर्वक मोड़ने के लिए पर्याप्त बल प्रदान कर सकती है। लेकिन इन परिदृश्यों में हानिरहित रूप से पथ से हटाए गए क्षुद्रग्रहों को दशकों पहले देखा गया था।

चिंताजनक बात यह है कि इस समय चल रहे नासा के आकाश सर्वेक्षण ने अनुमान लगाया है कि पृथ्वी के निकट लगभग 25,000 ऐसी वस्तुएं मौजूद हैं जो बड़े विनाश का कारण बन सकती हैं। इनमें से कई सूर्य की चमक से छिपी हुई हैं, इसलिए संभावित रूप से खतरनाक क्षुद्रग्रहों में केवल एक-तिहाई की ही पहचान की जा सकी है।

न्यू मैक्सिको स्थित प्रयोगशाला में मूर और उनकी टीम ने एक छोटे सिलिका पत्थर के आकार के नकली क्षुद्रग्रह को जेड मशीन की एक्स-रे पल्स से विकिरणित किया। शोधकर्ताओं ने बिल्कुल सही समय पर 'सिलिका क्षुद्रग्रह' को प्रयोगशाला के वातावरण के भीतर 'अंतरिक्ष' में छोड़ा। उन्होंने वातावरण का अनुकरण करने के लिए एक वैक्यूम बनाया था। उन्होंने एक्स-रे द्वारा नकली क्षुद्रग्रह की सतह को वाष्पित करने से पहले एक सेकंड के एक अरबवें हिस्से के भीतर उसे छोड़ दिया। प्रयोग में क्षुद्रग्रह आगे खिसक गया।

कई विज्ञानियों ने पहले यह विचार रखा था कि शक्तिशाली एक्स-रे विस्फोट एक बहुत बड़ी अंतरिक्ष चट्टान को उसके मार्ग से हटाने का विकल्प हो सकता है, लेकिन इसका कभी परीक्षण नहीं किया गया था। नया प्रयोग इस सिद्धांत का पहला प्रायोगिक प्रदर्शन है। वैज्ञानिकों का मानना है कि अगर पर्याप्त चेतावनी या सतर्कता हो तो इस विधि का इस्तेमाल बहुत बड़े क्षुद्रग्रहों पर किया जा सकता है। सिद्धांत रूप में, अगर आपके पास पर्याप्त समय हो तो आप डायनासोर को मारने वाले क्षुद्रग्रह को रास्ते से हटा सकते हैं। दुनिया भर की अंतरिक्ष एजेंसियां पहले से ही लंबे समय

तक चेतावनी देने वाले क्षुद्रग्रहों की दिशा मोड़ने के संभावित तरीकों पर काम कर रही हैं। नासा के डार्ट मिशन ने दो साल पहले एक हानिरहित क्षुद्रग्रह, डिमोर्फोस को सफलतापूर्वक अपने मार्ग से हटा दिया था।

इस बीच, एक नए अध्ययन से पता चला है कि 6.6 करोड़ वर्ष पहले पृथ्वी से टकराने वाला और डायनासोर का सफाया करने वाला विशाल क्षुद्रग्रह अकेला नहीं था। वैज्ञानिकों का कहना है कि उसी युग में पश्चिम अफ्रीका के तट से दूर समुद्र में एक दूसरी, छोटी अंतरिक्ष चट्टान टकराई थी,जिससे एक बड़ा गड्ढा बन गया। वैज्ञानिकों का कहना है कि यह एक 'विनाशकारी घटना' रही होगी। इससे अटलांटिक महासागर में कम से कम 800 मीटर ऊंची सुनामी आई होगी।

दुबई स्थित हेरियट-वाट विश्वविद्यालय के डॉ. उइसडीन निकोलसन ने सबसे पहले 2022 में नादिर क्रेटर की खोज की थी। लेकिन यह क्रेटर वास्तव में कैसे बना, इस बारे में अनिश्चितता बनी हुई थी। अब डॉ. निकोलसन और उनके सहयोगियों को यकीन है कि 9 किलोमीटर का गड्ढा समुद्र तल में एक क्षुद्रग्रह के टकराने के

मुकुल व्यास

कारण हुआ था। ये वैज्ञानिक इस घटना की सटीक तारीख नहीं बता सकते। वे यह भी नहीं बता सकते कि क्या यह मैक्सिको में 180 किलोमीटर चौड़े चिक्सुलब क्रेटर बनाने वाले क्षुद्रग्रह से पहले आया था या बाद में।

मैक्सिको पर गिरने वाले क्षुद्रग्रह ने दुनिया में डायनासोर के शासन को समाप्त कर दिया था। लेकिन इन वैज्ञानिकों का कहना है कि अंतरिक्ष से छोटी चट्टान भी क्रेटेशियस काल के अंत में आई थी जब डायनासोर विलुप्त हो गए थे। दूसरे क्षुद्रग्रह ने पृथ्वी के वायुमंडल से टकराने के बाद आग का गोला बना दिया था।

नादिर क्रेटर की कोई तस्वीर नहीं है लेकिन ऑस्ट्रेलिया में गॉसेस ब्लफ़ क्रेटर ऐसा ही है। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि 7 तीव्रता के भूकंप से पहले एक बहुत तेज हवा का विस्फोट हुआ होगा। संभवतः समुद्र तल से बहुत अधिक मात्रा में पानी निकल गया होगा,और बाद में यह पानी वापस बहकर समुद्र तल पर आया होगा,जिससे तल पर अनोखी छाप बनी होगी।

हमारे सौरमंडल से इतने बड़े क्षुद्रग्रहों का कुछ ही समय के भीतर हमारे ग्रह की ओर अग्रसर होना असामान्य घटना है। लेकिन शोधकर्ता यह नहीं जानते कि दो क्षुद्रग्रह एक साथ पृथ्वी से क्यों टकराए। नादिर क्रेटर बनाने वाला क्षुद्रग्रह लगभग 450-500 मीटर चौड़ा था। वैज्ञानिकों का मानना है कि यह लगभग 72,000 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से पृथ्वी से टकराया था। इस पैमाने की घटना के सबसे करीब 1908 में तुंगुस्का की घटना थी,जब साइबेरिया के ऊपर आसमान में 50 मीटर का एक क्षुद्रग्रह फटा था। नादिर क्षुद्रग्रह लगभग बेनू के आकार का था, जो इस समय पृथ्वी के निकट परिक्रमा करने वाला सबसे खतरनाक ऑब्जेक्ट है। वैज्ञानिकों का कहना है कि नासा के अनुसार बेनू के पृथ्वी से टकराने की सबसे संभावित तिथि 24 सितंबर, 2182 है। लेकिन इस बात की संभावना अभी भी 2,700 में से 1 है। मानव इतिहास में इस आकार का क्षुद्रग्रह कभी नहीं टकराया है।

ध्यान रहे बेनू पृथ्वी के निकट का एक छोटा क्षुद्रग्रह है जो लगभग हर छह साल में पृथ्वी के करीब से गुजरता है। नासा के ओसिरिस-रेक्स मिशन का लक्ष्य 4.5 अरब वर्ष पुराने इस क्षुद्रग्रह का नमूना एकत्र करना और उसे पृथ्वी पर लाना था। पृथ्वी पर लाए गए नमूने के प्रारंभिक अध्ययनों से उसमें उच्च कार्बन सामग्री और पानी के साक्ष्य मिले हैं। इनसे संकेत मिलता है कि पृथ्वी पर जीवन के निर्माण खंड संभवतः अंतरिक्ष की इस चट्टान में मौजूद हैं। ओसिरिस-रेक्स नमूना कार्बन-समृद्ध क्षुद्रग्रह का पृथ्वी पर लाया गया अब तक का सबसे बड़ा नमूना है। यह वैज्ञानिकों को पृथ्वी पर जीवन की उत्पत्ति की जांच करने में मदद करेगा।

जीवन मंत्र — ओशो

'तेरा' के आगे कुछ नहीं

ये अनाज, समस्त धन-संपत्ति, मैं, तुम, सब, उसके ही हैं। वही देने वाला है और वही लेने वाला है। हम सब तो उसके गुजरने के लिए एक मार्ग भर बन सकते हैं। यह नानक के लिए एक रूपांतरण का क्षण था। वह बोले, अब मैं जाता हूं, उसकी पुकार आ गई!

नानक के पिता बहुत परेशान थे, क्योंकि वह किसी काम-धंधे में न लगे। जहां लगाएं, वहीं कुछ न कुछ अड़चन आ जाए। कुछ पैसे देकर उन्होंने उन्हें दूसरे गांव से सामान लेने भेजा। चलते वक्त कहा, मुनाफे का ध्यान रखना। धंधे लाभ के लिए ही किए जाते हैं। नानक ने सहमति में सिर हिलाया और चल पड़े। दूसरे गांव से जब सामान खरीदकर लौट रहे थे, तो रास्ते में उन्हें साधुओं की एक मंडली मिल गई, वे तीन दिनों से भूखे थे। नानक ने सबको खाना खिलाया, कंबल बांटे। जो भी लाए थे, सब बांटकर बडे. प्रसन्नता से

घर की ओर चल पड़े। पिता ने देखा, नानक नाचते आ रहे हैं, जरूर कुछ गड़बड़ है। दुकानदार कहीं यूं मस्ती में घर आता है।

करीब आते ही नानक से उन्होंने पूछा कि क्या हुआ, लाभ का क्या हुआ? नानक ने कहा, जैसा आपने कहा था, वैसा ही करके आया हूं; बड़ा लाभ अर्जित हुआ है। तीन दिनों के भूखे साधु-संन्यासी थे। उनको कौन खिलाता? कौन कंबल देता? धन्यभागी हैं हम, उनके शरीर पर कंबल डालकर आ गया हूं... किसी की जरूरत में काम आ जाना, इससे ज्यादा क्या लाभ होगा? हमें परमलाभ हुआ है।

पिता ने सिर पीट लिया। उनकी समझ में नहीं आया कि यह कैसा लाभ है? कोई रास्ता न देखकर उन्होंने सूबेदार के घर नानक की नौकरी लगवा दी। नौकरी यह थी कि दिन भर तराजू से तौलते रहो सामान लोगों के लिए। पर दो-चार दिनों में ही गड़बड़ हो गई। नानक चौथे या पांचवें दिन नाप रहे थे, तेरह का आंकड़ा आ गया। पंजाबी में तेरह का मलतब- तेरा। तेरा कहते ही 'उसकी' याद आ गई। तेरा, सब कुछ उसी का। फिर वह आगे न बढ़े, फिर चौदह न आया, पंद्रह न आया, नानक डालते गए, तौलते गए और कहते गए- तेरा।

गांव भर में खबर फैल गई कि वह दीवाना हो गया है; लोगों ने कहा, वह पहले से दीवाना है। अब नानक तौले जा रहे हैं, जो भी आ रहा है, उसे दिए जा रहे हैं, अब वह कुछ पैसे-वैसे भी नहीं ले रहे, क्योंकि जब तेरा- तो अब किससे क्या लेना? सूबेदार भागा-भागा आया। कहा, बरबाद कर दोगे, यह क्या लगा रखा है- तेरा? तेरा के बाद की गिनती भूल गया?

नानक ने तराजू वहीं रख दिया और सूबेदार से कहा, तेरा के बाद कोई संख्या नहीं है। अब मैं अच्छी तरह से जान गया हूं, सब उसी का है- ये अनाज, समस्त धन-संपत्ति, मैं, तुम, सब, उसके ही हैं। वही देने वाला है और वही लेने वाला है। हम सब तो उसके गुजरने के लिए एक मार्ग भर बन सकते हैं। यह नानक के लिए एक रूपांतरण का क्षण था। वह बोले, अब मैं जाता हूं, उसकी पुकार आ गई!

जीवन ऊर्जा — जे. बी. एस. हाल्डेनः जन्मः 5 नवंबर, 1892 — जन्म

विज्ञान में, सत्य तक पहुंचने के लिए कोई शॉर्टकट नहीं है

जे. बी. एस. हाल्डेन एक ब्रिटिश-भारतीय आनुवंशिकीविद् और विकासवादी जीवविज्ञानी थे, जिन्हें जनसंख्या आनुवंशिकी और विकासवादी सिद्धांत के आधुनिक संश्लेषण में उनके अग्रणी कार्य के लिए जाना जाता है। 5 नवंबर, 1892 को जन्मे, उन्होंने आनुवंशिकी, जैव रसायन और विज्ञान संचार में महत्वपूर्ण योगदान दिया, और जीव विज्ञान और विज्ञान वकालत में एक स्थायी विरासत छोड़ी। जे. बी. एस. हाल्डेन का निधन 1 दिसंबर, 1964 को हुआ।

विज्ञान में, सत्य तक पहुंचने के लिए कोई शॉर्टकट नहीं है। ब्रह्मांड न केवल हमारे अनुमान से अधिक विचित्र है, बल्कि जितना हम सोच सकते हैं उससे भी अधिक विचित्र है। ज्ञान के भ्रम से अधिक खतरनाक कुछ भी नहीं है। जीव विज्ञान का अध्ययन केवल जीवन का अध्ययन नहीं है; यह ब्रह्मांड के संबंध में जीवन का अध्ययन है। जीवन केवल अणुओं का खेल है। मैं नास्तिक नहीं हूं। मैं बहुदेववादी हूं। हमारे पास जितने भी सबूत हैं, वे बताते हैं कि ब्रह्मांड में कोई अन्य बुद्धिमान जीवन नहीं है, और हमारे सौर मंडल में जीवन के सबूत बहुत कम हैं। विज्ञान न केवल आध्यात्मिकता के साथ संगत है; यह आध्यात्मिकता का एक गहन स्रोत है। ऐसी कई चीजें हैं जो हम नहीं जानते, लेकिन इस बात का कोई सबूत नहीं है कि हम उन्हें कभी जान पाएंगे। कोई महत्वपूर्ण वैज्ञानिक नवाचार

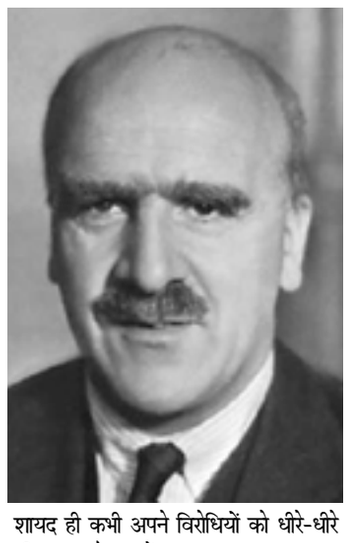

शायद ही कभी अपने विरोधियों को धीरे-धीरे जीतकर और उन्हें बदलकर अपना रास्ता बनाता है: जो होता है वह यह है कि विरोधी धीरे-धीरे खत्म हो जाते हैं। मैं आकाशीय पिंडों की गति की गणना कर सकता हूँ, लेकिन लोगों के पागलपन की नहीं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि सवाल करना बंद न करें। जिज्ञासा के अस्तित्व का अपना कारण होता है। बुरी याददाश्त का लाभ यह है कि व्यक्ति पहली बार एक ही अच्छी चीज़ों का कई बार आनंद लेता है। एक वैज्ञानिक वह व्यक्ति नहीं है जो सही उत्तर देता है; एक वैज्ञानिक वह व्यक्ति है जो सही प्रश्न पूछता है। विज्ञान की महान त्रासदी - एक बदसूरत तथ्य द्वारा एक सुंदर परिकल्पना का वध। विकास एक घटना नहीं है; यह एक प्रक्रिया है। विज्ञान में हर महान प्रगति कल्पना की एक नई दुस्साहस से उत्पन्न हुई है। हम सभी पूर्वजों की एक लंबी श्रृंखला से निकले हैं, जो अगर बहुत भाग्यशाली नहीं होते, तो प्रजनन करने के लिए जीवित नहीं रह पाते।

शख्सियत — वंदना शिवा

पर्यावरण न्याय और खाद्य संप्रभुता के चैंपियन

वंदना शिवा एक प्रमुख भारतीय पर्यावरण कार्यकर्ता, लेखिका और विचारक हैं, जो संधारणीय कृषि, खाद्य संप्रभुता और जैव विविधता संरक्षण के क्षेत्र में अपने काम के लिए जानी जाती हैं। 5 नवंबर, 1952 को भारत के देहरादून में जन्मी, उन्होंने संयुक्त राज्य अमेरिका जाने से पहले भारत में अपनी प्रारंभिक शिक्षा प्राप्त की, जहाँ उन्होंने पंजाब विश्वविद्यालय से भौतिकी में स्नातक की डिग्री और बाद में कनाडा के वेस्टर्न ओंटारियो विश्वविद्यालय से दर्शनशास्त्र में पीएचडी की उपाधि प्राप्त की।

शिवा ने 1980 के दशक में भारत में कृषि पर हरित क्रांति के प्रभावों, विशेष रूप से रासायनिक खेती और मोनोकल्चर के हानिकारक प्रभावों के खिलाफ अपनी सक्रियता के लिए वैश्विक मान्यता प्राप्त की। उन्होंने 1982 में विज्ञान, प्रौद्योगिकी और पारिस्थितिकी के लिए अनुसंधान फाउंडेशन की स्थापना की और 1991 में नवदान्या की स्थापना की, जो जैव विविधता और जैविक खेती प्रथाओं को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बीज रखने वालों और जैविक उत्पादकों का एक नेटवर्क है। उनका काम स्वदेशी बीजों के महत्व और कृषि में बहुराष्ट्रीय निगमों के अतिक्रमण के खिलाफ किसानों के अधिकारों पर जोर देता है। एक विपुल लेखिका, वंदना शिवा ने कई किताबें लिखी हैं, जिनमें स्टेइंग अलाइवः वीमेन, इकोलॉजी, एंड डेवलपमेंट, स्द सीड सॉवरिन्टीः व्हाई वी नीड टू प्रोटेक्ट अवर सीड्स और स्अर्थ डेमोक्रेसीः जस्टिस, सस्टेनेबिलिटी, एंड पीस शामिल हैं। उनकी रचनाएँ एक अधिक संधारणीय और न्यायसंगत दुनिया की वकालत करती हैं, कॉर्पोरेट-नेतृत्व वाले वैश्वीकरण को चुनौती देती हैं और पारिस्थितिक सिद्धांतों को बढ़ावा देती हैं। शिवा को पर्यावरण सक्रियता में उनके योगदान के लिए कई पुरस्कार मिले हैं, जिनमें 1993 में राइट लाइवलीहुड अवार्ड और 2010 में सिडनी शांति पुरस्कार शामिल हैं। उन्होंने विभिन्न अंतरराष्ट्रीय आयोगों और बोर्डों में काम किया है, जो संधारणीय विकास और कृषि पर वैश्विक नीतियों को प्रभावित करते हैं। वंदना शिवा पारिस्थितिक न्याय, महिलाओं के अधिकारों और खाद्य संप्रभुता की लड़ाई में एक शक्तिशाली आवाज़ हैं, जो व्याख्यान देने और पर्यावरणीय आंदोलनों में भाग लेने के लिए दुनिया भर में यात्रा करती हैं।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्य प्रदेश

भगवान शिव के नटराज रूप

हम सभी ने भगवान शिव के नटराज रूप को कई बार देखा है। किन्तु क्या आपने ध्यान दिया है कि नटराज की प्रतिमा के पैरों के नीचे एक दानव भी दबा रहता है

आम तौर पर देखने से हमारा ध्यान उस राक्षस की ओर नहीं जाता किन्तु नटराज की मूर्ति के दाहिने पैर के नीचे आपको वो दिख जाएगा।

क्या आपको पता है कि वास्तव में वो है कौन? आइये आज इस लेख में हम उस रहस्यमयी दानव के विषय में जानते हैं।

सबसे पहले तो आपको बता दूँ कि भगवान नटराज के पैरों के नीचे जो दानव दबा रहता है उसका नाम है अपस्मार उसका एक नाम मूयालकभी है।

अपस्मार एक बौना दानव है जिसे अज्ञानता एवं विस्मृति का जनक बताया गया है। इसे रोग का प्रतिनिधि भी माना जाता है। आज भी मिर्गी के रोग को संस्कृत में अपस्मार ही कहते हैं।

योग में नटराजासननामक एक आसन है जिसे नियमित रूप से करने पर निश्चित रूप से मिर्गी के रोग से मुक्ति मिलती है।

एक कथा के अनुसार अपस्मार एक बौना राक्षस था जो स्वयं को सर्वशक्तिशाली एवं दूसरों को हीन समझता था। स्कन्द पुराण में उसे अमर बताया गया है।

.उसे वरदान प्राप्त था कि वो अपनी शक्तियों से किसी की भी चेतना का हरण कर सकता था। उसे लापरवाही एवं मिर्गी के रोग का प्रतिनिधि भी माना गया है।

.अपनी इसी शक्ति के बल पर अपस्मार सभी को दुःख पहुँचता रहता था। उसी के प्रभाव के कारण व्यक्ति मिर्गी के रोग से ग्रसित हो जाते थे और बहुत कष्ट भोगते थे।

.अपनी इस शक्ति एवं अमरता के कारण उसे अभिमान हो गया कि उसे कोई परास्त नहीं कर सकता।

.एक बार अनेक ऋषि अपनी-अपनी पत्नियों के साथ हवन एवं साधना कर रहे थे। प्रभु की माया से उन्हें अपने त्याग और सिद्धियों पर अभिमान हो गया और उन्हें लगा कि संसार केवल उन्ही की सिद्धियों पर टिका है।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

प्रेरक प्रसंग

महाभारत से सीखे सफलता का ये 7 सूत्री फॉर्मूला

सफलता में निरंतरता का विशेष योगदान होता है, क्योंकि उसके बिना आगे बढ़ते रहना संभव नहीं है। किंतु काम का मकसद सद्भावपूर्ण और विचार मानव कल्याण का हो तो भी सफलता न मिले तो कुछ कारण हो सकते हैं। हिन्दू धर्म के विशालतम ग्रंथ महाभारत असफलता के कारण बताए गए हैं। इसी के निदान के झप में सात्र सूत्री एक फॉर्मूला भी बताया गया है जिसे अपनाकर मनुष्य अपने उद्देश्य को पूरा करने में समर्थ होगा।

इस श्लोक में जीवन में कर्म, विचार और व्यवहार से जुड़ी 7 बातें उन्नति का मूल मंत्र मानी गई है। ये बाते हैं-

1- उत्थानं या मेहनत के साथ प्रयासरत रहना : अक्सर सफलता पाने की जल्दबाजी या बेचैनी में कई लोग आसान और छोटे रास्ते या तरीकों को चुन तो लेते हैं। लेकिन मनचाही सफलता से दूर रहने पर निराशा के दौर से गुजरते हैं। असल में सफलता के लिए संकल्प, कर्म के साथ उसके लिए तत्पर रहना भी जरूरी है।

2- संयमो यानी संयम- छोटी या थोड़ी-सी सफलता मिलने पर मन व विचार पर काबू या उतावलेपन से बचना, क्योंकि बिना धैर्य और संयम के सफलता साथ छोड़ देती है, बल्कि तरक्की के रास्ते भी बंद हो जाते हैं।

3- दक्षता- सफलता को अवसरों को भुनाने और जल्द लक्ष्यों को हासिल करने के लिए किसी भी कार्य या कला में कुशलता या महारत बड़ी मददगार होती है। इसलिए बिना अहंकार के सीखने की जिज्ञासा बनाए रखें।

4- धृतिः यानी धैर्य- तमाम कोशिशों के बाद भी अगर मनचाहे परिणाम न मिलने या अपेक्षा पूरा न होने पर लक्ष्य से न भटकें या न उसे छोडने का विचार करें। बल्कि मजबूत संकल्प और दोगुनी मेहनत के साथ उसे पाने में जुट जाएं।

5- सावधानीः किसी भी तरह की सफलता के रास्ते में कई बाधाएं भी मुमकिन है। इसलिए सारी संभावनाओं और स्थितियों के आंकलन और विश्लेषण के साथ विषय, कार्य और स्थिति के प्रति जागरूकता और सावधानी रखें।

6- स्मृतिः इसकी अलग-अलग अर्थों और परिस्थितियों में अलग-अलग अहमियत है। जैसे ज्ञान और स्मरण शक्ति के अलावा दूसरों के उपकारों, सहयोग या प्रेम को न भूलना आदि।

7- सोच-विचारः विवेक का साथ न छोडना। सफलता और तरक्की के लिए कोई भी कदम बढ़ाने से पहले सही और गलत की विचार शक्ति अहम होती है, इसके लिए आपको अधिक से अधिक ज्ञान और अनुभव प्राप्त करने की जरूरत होती है।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुणलाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित। फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com कार्यकारी संपादक : राजा आदाटे (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)।

न्यूज़ ब्रीफ

संपत्ति के पुनर्वितरण पर संविधिन पीठ आज सुनाएगी अपना फैसला

नई दिल्ली। विशेष संवाददाता सुप्रीम कोर्ट के 9 जजों की संविधान पीठ मंगलवार को इस कानूनी सवाल पर अपना सुनाएगी कि क्या सरकार के पास निजी संपत्ति अधिग्रहित कर उनका पुनर्वितरण करने का अधिकार है या नहीं। इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर फैसला सुनाने वाली संविधान पीठ की अगुवाई मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ कर रहे हैं। संविधान पीठ ने 1 मई को सभी पक्षों को सुनने के बाद इस संवैधानिक सवाल पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था कि 'क्या किसी की निजी संपत्ति को संविधान के अनुच्छेद 39बी के तहत सामुदायिक संसाधन मानकर इसका इस्तेमाल सरकार सार्वजनिक हित के लिए कर सकती है? यह इस मामले में जितना संवैधानिक सवाल जुड़ा है, उतना ही, राजनीतिक सवाल भी जुड़ा है। इस मुद्दे पर कांग्रेस और भाजपा के चल रही राजनीतिक बहस के फैसला सुरक्षित रखते हुए संविधान पीठ ने एक उदाहरण देते हुए सवाल किया था कि 'क्या भारत के बाहर के सेमीकंडक्टर चिप निर्माता को देश में एक कंपनी स्थापित करने के लिए कहा जाए, लेकिन बाद में उससे कहा जाए कि यह समुदाय का एक भौतिक संसाधन है और इसे छीन लिया जाएगा तो फिर देश में निवेश कौन करेगा? सुप्रीम कोर्ट में दो दशक से भी अधिक समय से यह मामला लंबित था।

दिल्ली मेयर चुनाव की तारीख का ऐलान, 14 नवंबर को सदन की बैठक

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम के महापौर और उपमहापौर चुनाव 14 नवंबर को सदन की बैठक में होंगे। इस वर्ष अनुसूचित जाति (एससी) से महापौर पद आरक्षित है। इस वर्ष अप्रैल में महापौर का चुनाव निर्धारित किया गया था लेकिन पीठासीन अधिकारी की नियुक्ति न होने के कारण निगम ने महापौर व उपमहापौर चुनाव को टाल दिया था। इससे पूर्व 28 अक्तूबर को निगम की सदन की बैठक में विपक्ष ने महापौर के चुनाव कराने के लिए विरोध जताया था। तब महापौर डॉ शैली ओबरॉय ने हंगामे के दौरान सदन की कार्यवाही को अगली तारीख तक स्थगित कर दिया था। इस दौरान उन्होंने कहा था कि नवंबर में महापौर पद के चुनाव होंगे। इस चुनाव में निगम के सभी पार्षद, दिल्ली विधानसभा स्पीकर की तरफ से मनोनीत किए गए 14 विधायक, दिल्ली के सात लोकसभा सांसद और तीन राज्यसभा सांसद चुनाव में वोट डालेंगे।

2000 रुपये के 98 प्रतिशत नोट वापस आए

मुंबई। आरबीआई ने सोमवार को कहा कि 2000 रुपये के 98.04 प्रतिशत बैंक नोट बैंकिंग प्रणाली में वापस आ गए हैं और केवल 6,970 करोड़ रुपये के ऐसे नोट जनता के पास हैं। आरबीआई ने 19 मई, 2023 को 2000 रुपये के बैंक नोट को प्रचलन से वापस लेने की घोषणा की थी। आरबीआई ने कहा कि 19 मई, 2023 को कारोबार बंद होने पर कुल 3.56 लाख करोड़ रुपये मूल्य के 2000 रुपये के बैंक नोट प्रचलन में थे। प्रचलन में शामिल नोटों का मूल्य 31 अक्टूबर, 2024 को कारोबार बंद होने पर 6,970 करोड़ रुपये रह गया था।

ज्वालामुखी विस्फोट से कई मकान जलकर खाक

मौमेरे। इंडोनेशिया के फ्लोरेस द्वीप में ज्वालामुखी विस्फोटों के कारण छह लोगों की मौत हो गई है। इंडोनेशिया की आपदा प्रबंधन एजेंसी ने सोमवार को यह जानकारी दी।

कोलकाता रेप-मर्डर केस: 87 दिन बाद आरोप तय

एजेंसी । कोलकाता

पश्चिम बंगाल की सियालदह कोर्ट ने कोलकाता के आरजी कर कॉलेज में ट्रेनी डॉक्टर से रेप-मर्डर केस के मुख्य आरोपी संजय रॉय के खिलाफ आरोप तय कर दिए हैं। 11 नवंबर से मुकदमे की रोजाना सुनवाई होगी। सोमवार को पेशी के बाद पुलिस जब संजय को बाहर लेकर निकली तो पहली बार वह कैमरे पर कहता नजर आया कि ममता सरकार उसे फंसा रही है।

CBI ने चार्जशीट में आरोपी माना

सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (CBI) ने अपनी चार्जशीट में संजय रॉय को मुख्य आरोपी बताया है। इसके अलावा केस को गैंगरेप की बजाय रेप केस बताया है। चार्जशीट में यह भी कहा गया है कि पीड़ित के शरीर से मिला सीमन सैंपल और खून आरोपी से मैच हो चुका है। वहीं क्राइम सीन पर मिले छोटे बाल भी फोरेंसिक जांच के बाद आरोपी के बालों से मैच हो गए हैं।

100 गवाहों के बयान

CBI की चार्जशीट में 100 गवाहों के बयान, 12 पॉलीग्राफ टेस्ट की रिपोर्ट, CCTV फुटेज, फोरेंसिक रिपोर्ट, मोबाइल की कॉल डिटेल और लोकेशन जैसी चीजें शामिल हैं। इसके अलावा वारदात के दिन आरोपी का इयरफोन और मोबाइल ब्लूटूथ से कनेक्ट हो गया था। इसे भी चार्जशीट में अहम सबूत माना गया है। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट ने इस केस में एक्शन लेते हुए डॉक्टरों की सुरक्षा बढ़ाने और वर्कप्लेस पर बेहतर स्थिति के निर्देश दिए थे।

रॉय के दावे को गंभीरता से लिया जाना चाहिए: अधीर चौधरी

कांग्रेस की पश्चिम बंगाल इकाई के वरिष्ठ नेता अधीर चौधरी ने कहा कि रॉय के दावे को गंभीरता से लिया जाना चाहिए और उसकी जांच की जानी चाहिए। उन्होंने कहा, ''आरोपी के ऐसे दावों को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए और इसकी जांच होनी चाहिए। हम कहते रहे हैं कि ऐसा अपराध किसी एक व्यक्ति द्वारा संभव नहीं है। यह सामूहिक अपराध है। हमें नहीं पता है कि सीबीआई और कोलकाता पुलिस के बीच कोई गुप्त गठजोड़ है या नहीं। हमें संदेह है।''
कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष चौधरी ने कहा कि पुलिस की भूमिका की भी जांच की जानी चाहिए। पिछले महीने पेश प्रारंभिक आरोप पत्र में सीबीआई ने रॉय को मामले में 'एकमात्र मुख्य आरोपी' बताया था। इस बीच, आर जी कर अस्पताल में ही भ्रष्टाचार के एक मामले की सुनवाई के दौरान इस सीबीआई ने अलीपुर की विशेष अदालत को बताया कि अपराध के पीछे 'गहरी साजिश' है।

'सीबीआई जल्द से जल्द अपनी जांच पूरी करे'

कलकत्ता उच्च न्यायालय ने 23 अगस्त को आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के पूर्व प्राचार्य संदीप घोष के कार्यकाल के दौरान कथित वित्तीय अनियमितताओं की जांच राज्य द्वारा गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) से सीबीआई को सौंपने का आदेश दिया था। इस मामले में घोष को गिरफ्तार किया गया था। इस बीच, नागरिक समाज संगठनों ने करुणामयी क्रॉसिंग से साल्ट लेक के सीजीओ कॉम्प्लेक्स स्थित सीबीआई कार्यालय तक रैली निकाली और मांग की कि एजेंसी आरजी कर बलात्कार-हत्या मामले की जांच में तेजी लाए। इस मार्च में हिस्सा लेने वाली स्कूल अध्यापिका लिपिका चक्रवर्ती ने कहा, ''घटना को लगभग तीन महीने हो चुके हैं। सीबीआई क्या कर रही है? उसकी जांच में कोई स्पष्टता नहीं है। हम चाहते हैं कि सीबीआई जल्द से जल्द अपनी जांच पूरी करे।''

6 नवंबर को सुखबीर बादल पर फैसला, श्री अकाल तख्त सुनाएगी धार्मिक सजा

एजेंसी । नई दिल्ली

शिरोमणि अकाली दल के संरक्षक और पंजाब के पूर्व उप मुख्यमंत्री सुखबीर सिंह बादल के राजनीतिक भविष्य का फैसला 6 नवम्बर को होगा। श्री अकाल तख्त ने सिख विद्वानों और बुद्धिजीवियों की 6 नवम्बर को बैठक बुलाई है। श्री अकाल तख्त सचिवालय में होने वाली इस बैठक में सुखबीर बादल के तनखईया मामले और धार्मिक सजा को लेकर विचार-विमर्श किया जाएगा। जत्थेदार ज्ञानी रघबीर सिंह द्वारा बुलाई गई बैठक में 18 सिख विद्वान और बुद्धिजीवी हिस्सा लेंगे।

इस वजह से तनखईया घोषित किया गया सुखबीर बादल को

वर्ष 1801 में सिख साम्राज्य की स्थापना करने वाले महाराजा रणजीत सिंह भी तनखईया घोषित किए जा चुके हैं। उनके अलावा पूर्व गृह मंत्री बूटा सिंह, पूर्व मुख्यमंत्री सुरजीत सिंह बरनाला भी तनखईया घोषित होने के बाद धार्मिक सजा का भुगतान कर चुके हैं। सजा में भले ही कोई शारीरिक तकलीफ या जेल जैसी सजा शामिल नहीं होती परंतु पंजाब के मतदाताओं पर धार्मिक सामाजिक बहिष्कार के असर के तौर पर जरूर देखा जाता है। सुखबीर बादल पर दस सालों की सरकार के दौरान डेरा सच्चा सौदा के गुरमीत राम रहीम के प्रति नरम रुख अपनाए जाने, पोशाक मामले, वर्ष 2012 में सुमेध सैनी को पंजाब पुलिस महानिदेशक बनाने के मामले, बरगाड़ी कांड में सिख युवाओं की हत्या और पीड़ितों के न्याय में ढील जैसे आरोपों पर तनखईया घोषित किया गया है।

क्या है मामला ?

शिरोमणि अकाली दल से नाराज बागी अकाली नेताओं ने सर्वोच्च सिख धार्मिक पीठ श्री अकाल तख्त साहिब को शिकायत दी थी कि अकाली सरकार के दौरान पंजाब में वर्ष 2007 से लेकर वर्ष 2017 के दौरान धर्म से संबंधित कई गलतियां की गई थी जो सिखों के हित में नहीं थी। इसके बाद श्री अकाल तख्त साहिब ने 30 अगस्त को सुखबीर बादल को तनखईया घोषित किया था। उसके बाद से लेकर अब तक सिख धर्मगुरुओं ने सुखबीर सिंह बादल को धार्मिक सजा नहीं सुनाई है। सुखबीर के तनखईया होने की वजह से श्री अकाल तख्त ने सुखबीर को विधानसभा उपचुनावों में हिस्सा लेने या प्रचार करने की छूट भी नहीं प्रदान की थी। इसकी वजह से शिरोमणि अकाली दल ने विधानसभा उपचुनावों का मैदान भी छोड़ दिया था।

उत्तराखंड में बस हादसा: 36 की मौत

मोड़ पर अनियंत्रित होकर 150 फीट गहरी खाई में गिरी

एजेंसी । अल्मोड़ा

उत्तराखंड के अल्मोड़ा जिले के सल्ट विकासखंड के मरचूला में यात्रियों से खचाखच भरी एक बस अनियंत्रित होकर करीब 150 फुट गहरी खाई में गिर गई। हादसे में 36 लोगों की मौत हो गई जबकि 19 लोग घायल बताए गए हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने दुर्घटना के बारे में जानकारी ली। उन्होंने इस मामले में मंडल आयुक्त दीपक रावत को मजिस्ट्रेटी जांच के आदेश दिए हैं। घायलों को समुचित उपचार दिलाने के निर्देश दिए गए। इसके लिए हेली सेवा को भी तैयार करने को कहा गया है और अस्पताल को अलर्ट मोड कर दिया गया है।

43 सीटर बस में करीब 55 यात्री सवार

गढ़वाल से लेकर कुमाऊं के रामनगर और आसपास के क्षेत्र में चलने वाली जीएमओयू के यूजर्स ग्रुप की बस संख्या (यूके 12 पीए 0061) सोमवार की सुबह करीब सात बजे बारात गांव से होते हुए रामनगर की ओर जा रही थी। मरचूला के कूपी बैंड के पास पहुंचते ही जैसे ही चालक ने बस को मोड़ने का प्रयास किया। बस अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे करीब 150 फुट गहरी खाई में जा गिरी। 43 सीटर बस में करीब 55 यात्री सवार थे। बस के गिरते ही चीख पुकार मच गई।

मृतकों के स्वजन को चार लाख और घायलों को एक लाख की सहायता राशि

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पौड़ी और अल्मोड़ा के संबंधित क्षेत्र के एआरटीओ प्रवर्तन को निलंबित करने के निर्देश दिए हैं। आयुक्त कुमाऊं मंडल को घटना की मजिस्ट्रेट जांच के निर्देश भी दिए गए हैं। मुख्यमंत्री ने मृतकों के स्वजन को चार-चार लाख रुपये और घायलों को एक-एक लाख रुपये की सहायता राशि प्रदान करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने हादसे पर दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि जनपद अल्मोड़ा के मारचूला में हुई दुर्भाग्यपूर्ण बस दुर्घटना में यात्रियों के हताहत होने का अत्यंत दुःखद समाचार प्राप्त हुआ।

बेअंत हत्याकांड के दोषी की दया याचिका पर सुप्रीम कोर्ट का केंद्र को अल्टीमेटम

याचिका पर सुनवाई के लिए 18 नवंबर की तारीख तय

एजेंसी । नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब के पूर्व सीएम बेअंत सिंह की हत्या मामले में फांसी की सजा पाए दोषी बलवंत सिंह राजोआना की अर्जी पर सुनवाई के लिए 18 नवंबर की तारीख तय की है। याचिका में राजोआना ने दया याचिका पर फैसला लेने में देरी के आधार पर फांसी की सजा को उम्रकैद में बदले जाने और रिहाई की गुहार लगाई है। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से कहा है कि दया याचिका पर जो भी फैसला लेना है वह लें या फिर हम राओआना की अर्जी पर विचार करेंगे।

सुप्रीम कोर्ट में केंद्र सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि राओआना की दया याचिका राष्ट्रपति के पास पेंडिंग है। इससे पहले राओआना की ओर से सीनियर एडवोकेट मुकुल रोहतगी ने कहा कि राओआना पिछले 29 साल से जेल में बंद है। उन्होंने अंतरिम रिलीफ की मांग करते हुए कहा कि जब तक राष्ट्रपति दया याचिका पर फैसला लेते हैं तब तक राओआना को रिहा किया जाए।

सुप्रीम कोर्ट ने 27 सितंबर को जारी किया था नोटिस

सुप्रीम कोर्ट ने 57 साल के राजोआना की अर्जी पर 27 सितंबर को नोटिस जारी कर केंद्र और राज्य से जवाब दाखिल करने को कहा था। याचिकाकर्ता ने सुप्रीम कोर्ट में अनुच्छेद-32 के तहत अर्जी दाखिल कर कहा है कि उसकी फांसी की सजा को उम्रकैद में बदली जाए और यह भी दलील दी गई कि रिहाई की जाए। साथ ही कहा कि दया याचिकापर फैसला लेने में काफी देरी हुई है। दया याचिका राष्ट्रपति के सामने 1 साल 4 महीने पेंडिंग है। याची की ओर से मुकुल रोहतगी ने दलील दी कि मर्जी पिटिशन पर फैसला लेने में काफी देरी हुई और यह स्तब्धकारी है।

धोखाधड़ी रोकने को हर मैसेज पर रहेगी नजर

जांच में जुटी वन टीम, बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में है 13 हाथियों का झुंड

एजेंसी । नई दिल्ली

ऑनलाइन धोखाधड़ी एवं साइबर अपराध को रोकने की दिशा में भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (ट्राई) द्वारा लगातार सख्ती की जा रही है। इसी कड़ी में संदेश की ट्रेसेबिलिटी यानी निगरानी करने का फैसला लिया है, जिसके तहत वाणिज्यिक यानी टेलीमार्केटिंग संदेश को भेजने वाले से लेकर अंतिम रूप से मैसेज प्राप्त करने वाले व्यक्ति एवं संस्था तक को ट्रैक किया जा सकेगा। पहले इस व्यवस्था को एक नवंबर से लागू किया जाना था लेकिन टेलीकॉम ऑपरेटर्स को एक महीने का अतिरिक्त समय दिया गया है लेकिन इस बीच प्रतिदिन के हिसाब से चेतावनी जारी करने का फैसला लिया गया है। नए नियम के तहत संदेश से जुड़ी सारी प्रक्रिया को ट्रैक किया जाएगा। इसमें प्रिंसिपल एंटिटी यानी भेजे जा रहे संदेश में शामिल शब्दों की कुंजी और टेलीमार्केटर्स श्रृंखला को परिभाषित करना शामिल है जिसके माध्यम से संदेश के टेलीकॉम ऑपरेटर तक की पहचान हो सकेगी। ट्राई के निर्देश पर 30 नवंबर 2024 तक दैनिक आधार पर टेलीकॉम ऑपरेटर द्वारा ऐसे संदेशों को लेकर चेतावनी जारी की जाएगी, जिनका पूरा ब्योरा नहीं दिया गया है और संदिग्ध मैसेज हैं। उसके बाद एक दिसंबर से ऐसे संदेश को खारिज कर दिया जाएगा, जिनकी श्रृंखला परिभाषित नहीं है। श्रृंखला परिभाषित होने से आशय यह है कि टेलीमार्केटिंग कंपनी को मैसेज भेजने से पहले यह बताना होगा कि वो किस तरह का मैसेज उपभोक्ताओं को भेज रहा है और कितने उपभोक्ताओं को भेजा जाएगा। इससे सबसे बड़ी मदद यह मिलेगी कि अगर कोई संदेश या लिंक धोखाधड़ी के उद्देश्य से यूजर्स को भेजा जाता है तो उससे भेजने वाले से लेकर कितनी व्यक्तियों को भेजा गया है, उसका एक झटके में पता लगाया जा सकेगा। यह सारी प्रक्रिया मोबाइल यूजर्स को फिशिंग लिंक मैसेज से बचाने के लिए अपनाई जा रही है।

ऑपरेटर्स ने मांगा था अतिरिक्त समय

बीते दिनों टेलीकॉम कंपनियों के प्रतिनिधियों ने ट्राई के सामने अपना पक्ष रखा था। उनका कहना था कि ट्रेसिबिलिटी नियमों का पालन न करने के लिए अतिरिक्त समय चाहिए। मैसेज को ब्लॉक करने से यूजर्स काफी परेशान भी होंगे। ऐसी परेशानियों से निपटने के लिए तकनीकी रूप से सक्षम होने के लिए उन्हें अतिरिक्त समय चाहिए क्योंकि नया नियम बैंक द्वारा भेजे जाने वाले ओटीपी, टेलीमार्किंग कंपनियों और कारोबार से जुड़ी अन्य कंपनियों एवं संस्थाओं पर भी लागू होगा। किसी वजह से सही मैसेज भी ब्लॉक किए जाते हैं तो उससे लोगों को ओटीपी के जरिए ऑनलाइन लेन-देन में दिक्कत आ सकती है।

ट्राई की अब तक की कार्रवाई

- अगस्त में स्पैम कॉल के खिलाफ दिशा-निर्देश जारी किए
- 800 से अधिक संस्थाओं एवं व्यक्तियों को ब्लैक लिस्ट किया
- 18 लाख मोबाइल नंबर व दूरसंचार संसाधनों को डिस्कनेक्ट किया

कड़ी निंदा कनाडा से तनाव के बीच पहली बार बोले पीएम मोदी

'मंदिर पर हमला कायराना, ऐसे कृत्य डिगा नहीं सकते'

एजेंसी । नई दिल्ली

कनाडा में हिंदू मंदिर पर खालिस्तान समर्थकों द्वारा की गई हिंसा और हिंदुओं के साथ मारपीट प्रकरण पर अब पीएम नरेंद्र मोदी का बयान आया है। भारत और कनाडा के बीच चल रहे तनाव पर पीएम मोदी पहली बार बोले हैं। उन्होंने सोशल मीडिया हैंडल पर लिखा कि वो इस हिंसा की कड़ी निंदा करते हैं और ऐसे कृत्य भारत के संकल्पों को कभी कमजोर नहीं करेंगे। रविवार को खालिस्तानी झंडे लिए प्रदर्शनकारियों की कनाडा के ब्रैम्पटन के हिंदू सभा मंदिर में लोगों के साथ झड़प हो गई। आरोप है कि खालिस्तान समर्थकों ने हिंदुओं के साथ मारपीट भी की। जिसके बाद ओटावा में भारतीय उच्चायोग ने एक कड़ा बयान जारी कर 'भारत विरोधी' तत्वों द्वारा किए गए हमले की निंदा की। हमले के बाद भारतीय विदेश मंत्रालय का भी बयान आया। प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने ब्रैम्पटन में हिंदू सभा मंदिर में खालिस्तानी उग्रवादियों द्वारा की गई हिंसा की कड़ी निंदा करते हुए कनाडा सरकार से मंदिरों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की।

मारपीट और चले लात-घूंसे

केनैडियन ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन' की रिपोर्ट के अनुसार, पील क्षेत्रीय पुलिस ने रविवार को बताया कि ब्रैम्पटन के एक मंदिर के बाहर विरोध प्रदर्शन हुआ था और सोशल मीडिया पर प्रसारित घटना के कुछ अपुष्ट वीडियो में प्रदर्शनकारी खालिस्तान के समर्थन में बैनर पकड़े नजर आए। रिपोर्ट में कहा गया कि वीडियो में लोग एक-दूसरे पर घूंसे बरसाते और एक-दूसरे पर डंडों से हमला करते नजर आए। यह घटना हिंदू सभा मंदिर के आसपास के मैदान में होती प्रतीत हो रही है।

कनाडा से तनाव के बीच पहली बार बोले पीएम मोदी

कनाडा से राजनयिक विवाद और अब हिंदू मंदिर में खालिस्तानी समर्थकों द्वारा उत्पात मचाने के बाद यह पहली बार है जब पीएम मोदी का बयान आया है। पीएम मोदी ने हमले को लेकर कहा, 'मैं कनाडा में एक हिंदू मंदिर पर जानबूझकर किए गए हमले की कड़ी निंदा करता हूं। हमारे राजनयिकों को डराने-धमकाने की कायरतापूर्ण कोशिशें भी उतनी ही भयावह हैं। हिंसा के ऐसे कृत्य भारत के संकल्प को कभी कमजोर नहीं करेंगे। हम उम्मीद करते हैं कि कनाडाई सरकार न्याय सुनिश्चित करेगी और कानून का शासन कायम रखेगी।'

सुप्रीम कोर्ट आज सुनाएगा यूपी मदरसा एक्ट से जुड़ी याचिकाओं पर फैसला

इलाहाबाद हाईकोर्ट इसे असंवैधानिक घोषित कर चुका

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट 5 नवंबर को यूपी मदरसा कानून को रद्द करने वाले इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ याचिकाओं पर फैसला सुनाएगा। 5 अप्रैल 2024 को 'UP बोर्ड ऑफ मदरसा एजुकेशन एक्ट 2004' को असंवैधानिक करार देने वाले इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले पर रोक लगा दी थी। इसके साथ ही केंद्र और UP सरकार से जवाब भी मांगा था।
कोर्ट का कहना था कि हाईकोर्ट के फैसले से 17 लाख छात्रों पर असर पड़ेगा। छात्रों को दूसरे स्कूल में ट्रांसफर करने का निर्देश देना ठीक नहीं है।

क्या है मामला ?

मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और मनोज मिश्रा की पीठ ने अपना फैसला सुरक्षित रखते हुए मदरसों का नियमन को राष्ट्रीय हित में बताते हुए कहा था कि अल्पसंख्यकों के लिए अलग-थलग जगह बनाकर देश की सैकड़ों साल पुरानी मिली-जुली संस्कृति को खत्म नहीं किया जा सकता। इतना ही नहीं, शीर्ष अदालत ने कहा था कि देश में धार्मिक शिक्षा कभी भी अभिशाप नहीं रही है। पीठ इलाहाबाद उच्च न्यायालय द्वारा उत्तर प्रदेश मदरसा अधिनियम 2004 को खत्म किए जाने के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका अंजुम कादरी एवं अन्य की अपीलों पर फैसला सुरक्षित रखा था। मामले की सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश चंद्रचूड़ ने कहा था कि 'धर्मनिरपेक्षता का मतलब है- जियो और जीने दो।

खबर संक्षेप

नवंबर में तापमान सामान्य से अधिक, ठंड में देरी

लखनऊः नवंबर की शुरुआत में भी ठंड का असर नहीं दिख रहा है। इस समय अधिकतम और न्यूनतम तापमान सामान्य से क्रमशः 2.4 और 2 डिग्री अधिक चल रहे हैं। रविवार को लखनऊ में अधिकतम तापमान 32.4 डिग्री और न्यूनतम 15 डिग्री दर्ज किया गया, जो सामान्य से अधिक है। मौसम विभाग का कहना है कि ला नीना के सक्रिय न होने से ठंडी हवाओं का प्रभाव कम है, हालांकि इसके सक्रिय होने में अभी एक सप्ताह और लग सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार, जलवायु परिवर्तन के कारण मौसम के चक्र में बदलाव आया है, जिससे ठंड अब दिसंबर में शुरू होने की संभावना है। शनिवार को कानपुर में सबसे ठंडी रात दर्ज की गई, जिसमें न्यूनतम तापमान 14.6 डिग्री रहा, जबकि दिन का तापमान 35.8 डिग्री पर पहुंच गया।

लाठीचार्ज के विरोध में वकीलों की अनिश्चितकालीन हड़ताल

गाजियाबादः गाजियाबाद कोर्ट में वकीलों पर हुए लाठीचार्ज के खिलाफ प्रदेश के सभी जिलों के वकील अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए हैं। जिला बार एसोसिएशन ने मुख्य गेट को धरना स्थल बना लिया है, और कोर्ट के सभी गेट बंद कर दिए गए हैं। वकीलों ने जिला जज कोर्ट से दूसरे कोर्ट में केस ट्रांसफर के मामले में विवाद के बाद हुई इस कार्रवाई के दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की है। हड़ताल के दौरान वकीलों ने जोरदार प्रदर्शन किया और कलेक्ट्रेट में मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा।

बिहार में भी रेलवे स्टेशन का नाम बदलने की तैयारी

पटनाः उत्तर प्रदेश के बाद अब बिहार में भी रेलवे स्टेशन का नाम बदलने की तैयारी है। डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने पटना में एक कार्यक्रम के दौरान बताया कि भागलपुर जिले के सुल्तानगंज रेलवे स्टेशन का नाम अब अजगैबीनाथ धाम रखा जाएगा। इस प्रस्ताव को नगर परिषद ने राज्य सरकार को भेजा है, जिसे बिहार सरकार जल्द ही रेलवे मंत्रालय को भेजेगी। स्थानीय लोगों, पंडा समाज और जूना अखाड़ा समिति ने लंबे समय से स्टेशन का नाम बदलने की मांग की थी। यह पहला मौका नहीं है जब देश में रेलवे स्टेशन का नाम बदला जा रहा है; इससे पहले उत्तर प्रदेश में मुगलसराय का नाम दीनदयाल उपाध्याय रेलवे स्टेशन और इलाहाबाद का नाम प्रयागराज रखा गया था।

शिक्षकों के तबादले की अवधि 5 साल से घटकर 3 साल हुई

27 अहम प्रस्तावों को कैबिनेट से हरी झंडी

एजेंसी । लखनऊ

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में सोमवार को हुई कैबिनेट बैठक में 27 महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर मंजूरी दी गई। इस बैठक में राज्य के विकास के लिए नई नीतियों और योजनाओं पर ध्यान केंद्रित किया गया, जिससे शिक्षा, पशुपालन, बुनियादी ढांचे और सामाजिक कल्याण में सुधार की संभावना बढ़ी है। विभिन्न क्षेत्रों में उठाए गए कदमों से न केवल विकास की गति बढ़ेगी, बल्कि लोगों की जीवन गुणवत्ता में भी सुधार होगा।

केन-बेतवा लिंक परियोजना को मिली मंजूरी

कैबिनेट ने केन-बेतवा नदी जोड़ परियोजना को स्वीकृति दी, जिससे बुंदेलखंड क्षेत्र में सिंचाई और जलस्रोतों की उपलब्धता में सुधार होगा।

नई शीरा नीति और लैंड यूज नीति को हरी झंडी

बैठक में 2024-25 के लिए नई शीरा नीति और लैंड यूज नीति-2024 को मंजूरी दी गई। यह नीतियां राज्य में निवेश को बढ़ावा देने और भूमि उपयोग के अधिकतम लाभ के लिए तैयार की गई हैं।

पशुपालन डिप्लोमा व सर्टिफिकेशन को मंजूरी

पशुपालन क्षेत्र में डिप्लोमा और सर्टिफिकेशन कोर्स शुरू करने का प्रस्ताव भी पास किया गया है। इससे युवाओं को नए कौशल सीखने और रोजगार प्राप्त करने में मदद मिलेगी।

पशु चिकित्सकों के लिए डिप्लोमा कोर्स शुरू

पशु चिकित्सकों की कमी को पूरा करने के लिए सरकार ने पशु चिकित्सक डिप्लोमा कोर्स चलाने का निर्णय लिया है। निजी संस्थान भी इस कोर्स का संचालन कर सकेंगे, जिससे पशु स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार होगा।

उच्च शिक्षा में तबादला नीति में संशोधन

उच्च शिक्षा विभाग में अध्यापकों के तबादलों से संबंधित नीति का प्रस्ताव पास किया गया है, जिससे प्रक्रिया में पारदर्शिता और दक्षता बढ़ेगी।

अध्यापकों के तबादले पर नई नियमावली लागू

नई उच्चतर सेवा नियमावली के तहत अब शिक्षकों का तबादला 5 साल की सेवा पूरी करने पर नहीं, बल्कि 3 साल की सेवा के बाद किया जा सकेगा। इससे शिक्षकों के लिए नई संभावनाएं खुलेंगी।

निजी विश्वविद्यालय अधिनियम में संशोधन

उत्तर प्रदेश के निजी विश्वविद्यालयों में संशोधन विधेयक को मंजूरी दी गई है, जिससे उच्च शिक्षा में सुधार की संभावनाएं बढ़ेंगी और छात्रों को बेहतर अवसर मिलेंगे।

अंतर्राष्ट्रीय योग केंद्र की स्थापना

जनपद बागपत में एक अंतरराष्ट्रीय योग केंद्र स्थापित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई है, जिससे योग और स्वास्थ्य को बढ़ावा मिलेगा।

उत्तर प्रदेश रिटायरमेंट बेनिफिट रूल्स में संशोधन

उत्तर प्रदेश रिटायरमेंट बेनिफिट रूल्स 1971 में संशोधन को भी मंजूरी दी गई है, जिससे सेवानिवृत्त कर्मचारियों को बेहतर लाभ मिल सकेगा।

ग्रीन फील्ड एक्सप्रेसवे का अनुरक्षण कार्य

आगरा से लखनऊ तक 302 किलोमीटर ग्रीन फील्ड एक्सप्रेसवे के अगले 5 वर्षों तक मरम्मत और अनुरक्षण कार्य की स्वीकृति दी गई है ।

मध्य नहर योजना का डार्क जोन कवर

कैबिनेट ने मध्य नहर योजना के अंतर्गत डार्क जोन को कवर करने का प्रस्ताव पास किया है। इसके तहत जल संसाधनों का बेहतर प्रबंधन सुनिश्चित किया जाएगा। ललितपुर में होरेड बांध परियोजना को भी मंजूरी मिली है, जो जल निकासी और सिंचाई में सहायक होगी।

लखनऊ में विदेशी भाषाओं के लिए केंद्रीय विश्वविद्यालय

लखनऊ में इंग्लिश और विदेशी भाषाओं के लिए एक केंद्रीय विश्वविद्यालय स्थापित करने के लिए भूमि आवंटित करने का प्रस्ताव भी कैबिनेट से मंजूरी प्राप्त कर चुका है। यह छात्रों के लिए नई संभावनाएं खोलेगा।

27 हजार स्कूल बंद करने की खबर पर सरकार का खंडन

बेसिक शिक्षा महानिदेशक कंचन वर्मा ने कहा- खबरें भ्रामक, कोई स्कूल बंद नहीं होगा

एजेंसी । लखनऊ

उत्तर प्रदेश में 27 हजार से अधिक प्राथमिक और जूनियर स्कूलों को बंद करने की खबरों का बेसिक शिक्षा विभाग ने सख्त खंडन किया है। विभाग की महानिदेशक कंचन वर्मा ने कहा कि मीडिया में चल रही इन खबरों में कोई सच्चाई नहीं है और यह पूरी तरह भ्रामक और आधारहीन हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रदेश में किसी भी स्कूल को बंद करने का कोई निर्णय नहीं लिया गया है। उन्होंने कहा कि शिक्षा विभाग प्रदेश में विद्यालयों की आधारभूत सुविधाओं में सुधार, शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने और ड्रॉपआउट दर को कम करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। बहुजन समाज पार्टी की अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने इस कथित निर्णय पर सरकार की आलोचना करते हुए इसे गरीब, दलित, पिछड़े और वंचित तबकों के बच्चों के खिलाफ कदम बताया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 50 से कम छात्रों वाले लगभग 27,764 प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालयों को बंद करना सही नहीं है। उनका मानना है कि यह निर्णय उन बच्चों को शिक्षा से वंचित कर देगा जो पहले से ही कठिनाईयों का सामना कर रहे हैं। मायावती ने सुझाव दिया कि सरकार को इन स्कूलों का अन्य विद्यालयों में विलय करने के बजाय उन्हें सुधारने के लिए ठोस कदम उठाने चाहिए ताकि बच्चों को शिक्षा के अच्छे अवसर मिल सकें।

कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी और बसपा अध्यक्ष मायावती दोनों ने इस मुद्दे पर उत्तर प्रदेश सरकार को घेरा है। प्रियंका गांधी ने इसे शिक्षा और वंचित तबकों के बच्चों के भविष्य के खिलाफ बताते हुए सोशल मीडिया पर बयान जारी किया। उन्होंने कहा कि यूपीए सरकार ने शिक्षा का अधिकार कानून लागू किया था ताकि हर बच्चे के लिए एक किलोमीटर की दूरी पर स्कूल उपलब्ध हो। प्रियंका ने कहा कि भाजपा सरकार के इस कदम से कमजोर तबके के बच्चों के लिए शिक्षा सुलभ होना कठिन हो जाएगा। उन्होंने इसे जनविरोधी नीति करार दिया।

कंचन वर्मा ने अपने बयान में कहा कि सरकार स्कूलों को बंद करने के बजाय शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने पर जोर दे रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के स्कूलों में आधारभूत सुविधाओं, शिक्षकों की उपलब्धता और ड्रॉपआउट दर को कम करने के प्रयास किए जा रहे हैं। इसके लिए विभाग समय-समय पर अध्ययन और मूल्यांकन करता रहता है ताकि शिक्षा को अधिक सुलभ और गुणवत्तापूर्ण बनाया जा सके।

भ्रष्टाचार, पेपर लीक, परिवारवाद और झूठे वादों पर पीएम मोदी ने सोरेन सरकार को घेरा

एजेंसी । गढ़वा

झारखंड में विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार तेज है, जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गढ़वा में एक रैली को संबोधित किया। उन्होंने झारखंड मुक्ति मोर्चा, कांग्रेस और राजद पर तीखा हमला करते हुए कहा कि हेमंत सोरेन सरकार भ्रष्टाचार और परिवारवाद में डूबी हुई है।

युवाओं का भविष्य

उन्होंने झारखंड के युवाओं की प्रतिभा की तारीफ की और कहा कि भाजपा सरकार बनने के बाद सरकारी पदों को पारदर्शी तरीके से भरा जाएगा। पीएम ने आरोप लगाया कि जेएमएम और कांग्रेस ने युवाओं के साथ धोखा किया है।

भाजपा की विकास की गारंटी

पीएम मोदी ने कहा कि भाजपा झारखंड की सुविधा, सुरक्षा और समृद्धि की गारंटी के साथ चुनावी मैदान में उतरी है। उन्होंने संकल्प पत्र का जिक्र करते हुए कहा कि इसमें माताओं और बहनों के कल्याण के लिए कई योजनाएं शामिल हैं, जैसे 'गोगो दीदी योजना', जिसके तहत 2,100 रुपये की मासिक सहायता दी जाएगी।

परिवारवाद और भ्रष्टाचार का जिक्र

मोदी ने परिवारवाद को झारखंड का एक बड़ा दुश्मन बताते हुए कहा कि कांग्रेस की राजनीति ने जनता को धोखा दिया है। उन्होंने यह भी कहा कि भ्रष्टाचार देश को खोखला कर रहा है और इसका खामियाजा गरीब और आदिवासी समुदाय को भुगतना पड़ रहा है।

नवजात बच्ची को जिंदा दफनाने का मामला

मन्नीखेड़ा गांव में दिल दहला देने वाली घटना

एजेंसी । मुरादाबाद

नखासा थाना क्षेत्र के मन्नीखेड़ा गांव में एक हृदय विदारक घटना प्रकाश में आई है। किसी अज्ञात व्यक्ति ने नवजात बेटी को सरसों के खेत में जिंदा दफना दिया। यह घटना उस समय सामने आई जब बच्ची के रोने की आवाज़ पास में खेल रहे बच्चों ने सुन ली। गनीमत यह रही कि बच्ची के चेहरे का कुछ हिस्सा जमीन से बाहर था, जिससे वह सांस ले पा रही थी। जब बच्चों ने उसकी आवाज सुनी, तो उन्होंने शोर मचाकर आसपास के लोगों को बुलाया। ग्रामीणों ने तुरंत मौके पर पहुंचकर बच्ची को निकालकर नखासा थाना पुलिस को सूचना दी।

पुलिस ने शुरू की जांच

पुलिस ने बच्ची को स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने जांच शुरू कर दी है और आसपास के क्षेत्र में पूछताछ कर रही है। स्थानीय निवासी इस घटना को लेकर गुस्से में हैं और आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

इस प्रकार की घटनाएं समाज में घृणा और नफरत का संकेत देती हैं, जिससे यह साफ है कि हमें अपने समाज में मानवीयता और सहानुभूति को बढ़ावा देने की आवश्यकता है।

व्यापार जगत

रिलायंस जिओ का IPO 2025 में, रिटेल का IPO बाद में

2025 में आएगा जिओ का IPO

एजेंसी । नई दिल्ली

मुकेश अंबानी के नेतृत्व वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज 2025 में अपने टेलीकॉम बिजनेस, जिओ, का IPO लाने की तैयारी में है। विश्लेषकों का अनुमान है कि जिओ का मूल्यांकन $100 बिलियन से अधिक हो सकता है। सूत्रों के अनुसार, कंपनी भारत का सबसे बड़ा IPO पेश करना चाहती है, जो मौजूदा रिकॉर्ड को तोड़ सके।

रिटेल IPO के लिए इंतजार

रिलायंस का रिटेल IPO 2025 के बाद लॉन्च होने की संभावना है। कंपनी आंतरिक संचालन से जुड़े कुछ मुद्दों को हल करना चाहती है, ताकि IPO से पहले यह क्षेत्र मजबूती से खड़ा हो सके। रिलायंस रिटेल का भारत में 3,000 से अधिक सुपरमार्केट का नेटवर्क है और कंपनी अब क्विक कॉमर्स में भी कदम बढ़ा रही है। रिलायंस जिओ भारत में एलोन मस्क की स्टारलिंक सेवा से मुकाबले की तैयारी कर रही है। इसके लिए कंपनी ने NVIDIA के साथ साझेदारी की है ताकि भारत में एआई इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत किया जा सके। जिओ को गूगल और मेटा जैसे दिग्गजों का भी समर्थन प्राप्त है। रिलायंस रिटेल तेजी से विस्तार कर रहा है, जिसमें ई-कॉमर्स और विभिन्न रिटेल फॉर्मेट्स में निवेश शामिल है। कंपनी ने जिमी चू, मार्क्स एंड स्पेंसर और प्रेट ए मोंजे जैसे अंतरराष्ट्रीय ब्रांड्स के साथ साझेदारी की है और हैमलीज का स्वामित्व भी रखती है। सूत्रों के अनुसार, रिलायंस ने एक ही समय में दो बड़े IPO लाने से बचने का निर्णय लिया है। जिओ का IPO 2025 में आएगा, जबकि रिटेल का IPO उसके बाद आएगा ताकि निवेशकों पर दबाव न बढ़े और बाजार स्थिर रहे। जिओ प्लेटफॉर्म्स में 33% और रिलायंस रिटेल में 12% हिस्सेदारी विदेशी निवेशकों की है, जिससे हाल के वर्षों में इन दोनों कारोबारों ने कुल $25 बिलियन का निवेश जुटाया है।

शेयर बाजार में बड़ी गिरावट, सेंसेक्स 79 हजार के नीचे

सेंसेक्स और निफ्टी में भारी गिरावट

एजेंसी । नई दिल्ली

सोमवार, 4 नवंबर को भारतीय शेयर बाजार में दिनभर उतार-चढ़ाव के बाद बड़ी गिरावट दर्ज की गई। बीएसई सेंसेक्स 941.88 अंक गिरकर 78,782.24 पर बंद हुआ, जबकि एनएसई निफ्टी 309.00 अंक लुढ़ककर 23,995.35 पर आ गया। सेंसेक्स 30 में से 24 कंपनियों के शेयरों में गिरावट देखी गई, जिसमें अडानी पोर्ट्स, रिलायंस, सनफार्मा और बजाज फिनसर्व प्रमुख रहे। वहीं, एमएंडएम, टेक महिंद्रा, एसबीआई और एचसीएल टेक ने बढ़त दर्ज की।

क्या हैं बाजार की गिरावट के कारण?

विशेषज्ञों के अनुसार, बाजार में गिरावट का एक बड़ा कारण भारतीय कंपनियों की दूसरी तिमाही की कमजोर आय रिपोर्ट रही। इसके साथ ही अक्टूबर में विदेशी निवेशकों ने भारी मात्रा में शेयरों की बिक्री की, जिससे नेगेटिव सेंटीमेंट बना। इसके अतिरिक्त, अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव को लेकर अस्थिरता और भारतीय रुपये की कमजोरी भी गिरावट के कारक बने।

रुपया डॉलर के मुकाबले रिकॉर्ड निचले स्तर पर

सोमवार को भारतीय रुपया 84.12 प्रति डॉलर के रिकॉर्ड निचले स्तर पर बंद हुआ। इससे पहले यह 84.05 पर खुला था। रुपये की इस कमजोरी ने भी बाजार की धारणा को प्रभावित किया। बाजार सोमवार सुबह ही गिरावट के साथ खुला था। सेंसेक्स 547.94 अंक की गिरावट के साथ 79,176.18 पर खुला, जबकि निफ्टी 168.50 अंक गिरकर 24,135.80 पर शुरू हुआ। प्री-ओपनिंग सत्र में बाजार ने स्थिरता दिखाई, जिसमें सेंसेक्स 33.35 अंक गिरकर 79,690.77 और निफ्टी 11.50 अंक गिरकर 24,292.80 पर कारोबार कर रहे थे।

Niva Bupa Health Insurance का IPO 7 नवंबर से

IPO का प्राइस बैंड और रकम जुटाने की योजना

एजेंसी । नई दिल्ली

हेल्थ इंश्योरेंस कंपनी Niva Bupa अपने IPO के माध्यम से पब्लिक में शामिल होने जा रही है। इसके लिए प्रति शेयर प्राइस बैंड 70-74 रुपएतय किया गया है। कंपनी का लक्ष्य 2,200 करोड़ रुपएजुटाने का है, जिसमें 800 करोड़ रुपएका नया निर्गम और 1,400 करोड़ रुपएका बिक्री पेशकश शामिल है। Niva Bupa का IPO 7 नवंबर को सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा और 11 नवंबर को बंद होगा। एंकर निवेशकों के लिए यह इश्यू 6 नवंबर को ही खुल जाएगा। इस बिक्री पेशकश में प्रमोटर बूपा सिंगापुर होल्डिंग्स और टू

नॉर्थ 350 करोड़ और 1,050 करोड़ के शेयर ऑफर-फॉर-सेल के तहत बेचेंगे। IPO के सब्सक्रिप्शन बंद होने के बाद, 12 नवंबर को शेयर आवंटन फाइनल होगा और 13 नवंबर को आवंटियों के डीमैट खातों में शेयर जमा किए जाएंगे। कंपनी के शेयर 14 नवंबर को BSE और NSE पर लिस्ट होने की संभावना है। गुरुग्राम स्थित Niva Bupa Health Insurance 800 करोड़ रुपएका उपयोग अपनी पूंजी को मजबूत करने और सॉल्वेंसी स्तर बनाए रखने के लिए करेगी। इस IPO के बुक रनिंग लीड मैनेजर ICICI सिक्योरिटीज, मॉर्गन स्टेनली इंडिया, कोटक महिंद्रा कैपिटल, एक्सिस कैपिटल, HDFC बैंक और मोतीलाल ओसवाल इन्वेस्टमेंट एडवाइजर्स हैं। KFin Technologies इस ऑफर के रजिस्ट्रार हैं। वित्त वर्ष 2024 में, Niva Bupa Health Insurance ने 81.85 करोड़ रुपएका शुद्ध लाभ कमाया, जो पिछले वर्ष के 12.5 करोड़ रुपएसे अधिक है। हालांकि, ऑपरेटिंग लाभ 350.9 करोड़ से घटकर 188 करोड़ रह गया।

वारी एनर्जी के शेयरों में रिकॉर्ड तोड़ तेजी

10 दिन में निवेशकों का पैसा दोगुना

एजेंसी । नई दिल्ली

बाजार में उतार-चढ़ाव के बीच सोलर कंपनी वारी एनर्जी (Waaree Engergies) के शेयरों ने जबरदस्त प्रदर्शन दिखाया है। सोमवार को BSE पर कंपनी के शेयर 4% से अधिक की तेजी के साथ 3015रुपएपर पहुंचे, जो 52 हफ्तों का नया उच्चतम स्तर है। मात्र 10 दिनों में शेयरों में 100% से अधिक का उछाल आया है, जिससे निवेशकों की पूंजी दोगुनी हो गई है। कंपनी का मार्केट कैप अब 85,700 करोड़ रुपए के पार हो गया है। वारी एनर्जी का IPO 21 से 23 अक्टूबर 2024 के बीच खुला था, जिसमें शेयर का इश्यू प्राइस 1503 रुपए रखा गया था। 28 अक्टूबर को BSE पर लिस्टिंग के बाद शेयर 2550 रुपए पर खुले और पहले ही दिन 2336.80 रुपए पर बंद हुए। इसके बाद से ही शेयरों में तेजी जारी है, जिससे निवेशकों को अच्छा रिटर्न मिला है। वारी एनर्जीज का IPO कुल 79.44 गुना सब्सक्राइब हुआ था। रिटेल निवेशकों का कोटा 11.27 गुना भरा, नॉन-इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स में 65.25 गुना और क्वॉलीफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स के लिए 215.03 गुना सब्सक्रिप्शन मिला। रिटेल निवेशकों के लिए एक लॉट 9 शेयरों का था, जिसकी कीमत 13,527 रुपए थी।

महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयरों में 5% उछाल, SUV बिक्री में रिकॉर्ड बढ़ोतरी

एजेंसी । नई दिल्ली

महिंद्रा एंड महिंद्रा (M&M) के शेयरों में 4 नवंबर को 5% की तेजी दर्ज की गई, जिससे स्टॉक बीएसई पर 2873.25 रुपए के स्तर पर बंद हुआ। SUV की बिक्री में 25% सालाना वृद्धि के कारण इस तेजी का रुझान देखा गया। इस उछाल के बाद कंपनी का मार्केट कैप बढ़कर 3.57 लाख करोड़ रुपए हो गया है। अक्टूबर में M&M

ने 54,504 SUV की बिक्री की, जो कंपनी का अब तक का सबसे उच्च मासिक आंकड़ा है। ऑटो और ट्रैक्टर सेगमेंट ने मिलकर कुल 96,648 वाहनों की बिक्री की। घरेलू कमर्शियल व्हीकल की बिक्री 28,812 यूनिट रही, जबकि ट्रैक्टर की बिक्री 65,453 यूनिट तक पहुंच गई, जो सालाना 30% की बढ़त है। महिंद्रा के ऑटोमोटिव डिवीजन के प्रेसिडेंट वीजय नाकरा ने कहा कि त्योहारी सीजन में सकारात्मक माहौल के चलते Thar ROXX को पहले 60 मिनट में 1.7 लाख बुकिंग प्राप्त हुईं। इससे SUV पोर्टफोलियो में और मजबूती आई है। ट्रैक्टर सेगमेंट की घरेलू बिक्री 64,326 यूनिट तक पहुंच गई।

भारतीय महिला टीम करेगी इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया की मेजबानी

महिला एफटीपी

- टीम चार साल में न्यूजीलैंड, वेस्टइंडीज, आयरलैंड और दक्षिण अफ्रीका की यात्रा करेगी

एजेंसी । दुबई

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के सोमवार को जारी 2025 से 2029 तक के भविष्य दौरा कार्यक्रम (एफटीपी) के मुताबिक भारतीय महिला टीम घरेलू सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड की मेजबानी करेगी। इन दोनों बड़ी टीमों के अलावा भारत इस दौरान बांग्लादेश और जिम्बाब्वे की टीमों की भी मेजबानी करेगा। जिम्बाब्वे हाल ही में एफटीपी में 11वें सदस्य के रूप में शामिल हुआ है। मई 2025 से अप्रैल 2029 तक चलने वाले इस एफटीपी में 400 से अधिक मैच खेले जाएंगे। इसमें वनडे की 44 सीरीज में 132 मैचों का जिक्र है। इसके साथ ही 2027 में छह टीमों की चैंपियंस ट्रॉफी को भी इस एफटीपी में जगह दी गई है। इसके अलावा हर साल एक आईसीसी इवेंट भी होगा।

चार सीरीज

भारत की महिला टीम इन चार वर्षों में न्यूजीलैंड, वेस्टइंडीज, आयरलैंड और दक्षिण अफ्रीका की भी यात्रा करेगी। एफटीपी में प्रत्येक सदस्य देश को अपने घरेलू मैदान और दूसरी टीम के घर में चार-चार सीरीज खेलनी हैं। भारतीय टीम इसके अलावा 2026 में महिला टी-20 विश्व कप से पहले इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के साथ त्रिकोणीय सीरीज खेलेगी। इंग्लैंड महिला टी-20 विश्व कप की मेजबानी करेगा।

अधिक टेस्ट की मांग

आईसीसी के क्रिकेट महाप्रबंधक वसीम खान ने विज्ञप्ति में कहा, सदस्य देशों ने इस एफटीपी में अधिक टेस्ट मैच खेलने की मांग की है। ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, भारत, दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज सभी बहु-प्रारूप सीरीज खेलने के लिए सहमत हैं, जिसमें वनडे और टी-20 अंतरराष्ट्रीय शामिल हैं। उन्होंने कहा, ऑस्ट्रेलिया ऐसी अधिकतम सीरीज खेलेगा। ऑस्ट्रेलिया की टीम इस दौरान इंग्लैंड, भारत और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दो-दो और वेस्टइंडीज के खिलाफ एक सीरीज खेलेगी। आईसीसी के सदस्यों ने आपसी सहमति से इस चक्र में त्रिकोणीय सीरीज को भी शामिल किया है।

रणजी का रण

शमी कर्नाटक और मप्र के खिलाफ नहीं खेलेंगे

एजेंसी । बेंगलुरु

मोहम्मद शमी की प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी में अभी और देर होगी। इस अनुभवी तेज गेंदबाज को कर्नाटक और मध्य प्रदेश के खिलाफ होने वाले अगले दो दौर के रणजी ट्रॉफी मुकाबलों के लिए बंगाल की टीम में शामिल नहीं किया गया है। बंगाल बुधवार से यहां चिन्नास्वाममी स्टेडियम में कर्नाटक से भिड़ेगा जबकि 13 नवंबर से इंदौर में मध्य प्रदेश के खिलाफ खेलेगा।

कुछ खिलाड़ियों की कमी खलेगी

शमी के अलावा बंगाल को सलामी बल्लेबाज अभिमन्यु ईश्वरन, विकेटकीपर बल्लेबाज अभिषेक पोरेल और तेज गेंदबाज मुकेश कुमार की भी कमी खलेगी जो ऑस्ट्रेलिया में भारत ए टीम के साथ हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ हालिया सीरीज के लिए भारतीय टीम का हिस्सा रहे तेज गेंदबाज आकाश दीप को भी टीम में नहीं चुना गया। हालांकि मौजूदा घरेलू सत्र के बाद क्रिकेट से संन्यास की घोषणा करने वाले अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज ऋद्धिमान साहा को दो मैच के लिए चुना गया है।

फिटनेस का परीक्षण जरूरी

शमी से कर्नाटक के खिलाफ मैच में खेलने की उम्मीद थी जिससे वह वास्तविक मैच की स्थिति में फिटनेस का परीक्षण कर सकें। उन्होंने हाल में यहां न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत के टेस्ट मैच के बाद नेट पर पूरी ताकत से गेंदबाजी की थी, हालांकि इस दौरान उनके पैर पर पट्टी बंधी हुई थी। उस दौरान भारत के गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल उन पर नजर रखे हुए थे। बाद में शमी ने एक प्रचार कार्यक्रम के दौरान कहा था कि वह नेट पर शत प्रतिशत फिट महसूस कर रहे थे। उन्होंने कहा था, मैं आधे रन अप से गेंदबाजी कर रहा था क्योंकि शरीर पर अधिक दबाव नहीं डाल सकता। इसलिए हमने फैसला किया कि मैं उचित तरीके से गेंदबाजी करूंगा और मैंने अपना शत प्रतिशत दिया। उम्मीद है कि मैं जल्द ही वापसी करूंगा।

टीम

अनुस्तूप मजूमदार (कप्तान), ऋद्धिमान साहा, सुदीप चटर्जी, सुदीप घरामी, शाहबाज अहमद, ऋतिक चटर्जी, एविलिन घोष, शुवम डे, शाकिर हबीब गांधी, प्रदीप्त प्रमाणिक, आमिर गनी, इशान पोरेल, सूरज सिंधू जायसवाल, मोहम्मद कैफ, रोहित कुमार और ऋषव विवेक।

आईपीएल नीलामी नवंबर के अंत में रियाद में होगी

एजेंसी । नई दिल्ली

इंडियन प्रीमियर लीग की आगामी बड़ी नीलामी नवंबर के अंतिम हफ्ते में सऊदी अरब की राजधानी रियाद में होगी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सूत्रों ने सोमवार को इसकी पुष्टि की। बीसीसीआई के एक सूत्र ने बताया, आईपीएल नीलामी रियाद में होगी और यह फ्रेंचाइजी को बता दिया गया है। संभावित तिथियां 24 और 25 नवंबर हैं। इस बार नीलामी बड़ी होगी जिसमें ऋषभ पंत, लोकेश राहुल, श्रेयस अय्यर और अर्शदीप सिंह जैसे भारत के स्टार खिलाड़ियों के लिए बोली लगेगी। दस फ्रेंचाइजी के पास 204 खिलाड़ियों को खरीदने के लिए 641.5 करोड़ रुपये की राशि है।

ऑस्ट्रेलिया में भारत का प्रदर्शन प्रभावित होगा : गिलक्रिस्ट, वार्नर

एजेंसी । सिडनी

ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज खिलाड़ियों एडम गिलक्रिस्ट और डेविड वार्नर को इसमें संदेह नहीं है कि न्यूजीलैंड से घर में करारी हार से भारतीय खिलाड़ियों की मानसिकता आहत हुई होगी। फिर भी उन्होंने कहा कि 22 नवंबर से पर्थ में शुरू हो रही पांच टेस्ट मैचों की बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में रोहित शर्मा की टीम को आसानी से हराने के बारे में सोचना नासमझी होगी। गिलक्रिस्ट ने कहा, भारतीय खिलाड़ियों पर अधिक असर होगा लेकिन मैं उम्मीद नहीं करता कि उन्हें आसानी से हराया जा सकता है

अभ्यास मैच पर भारतीय टीम फिर विचार करे : गावस्कर

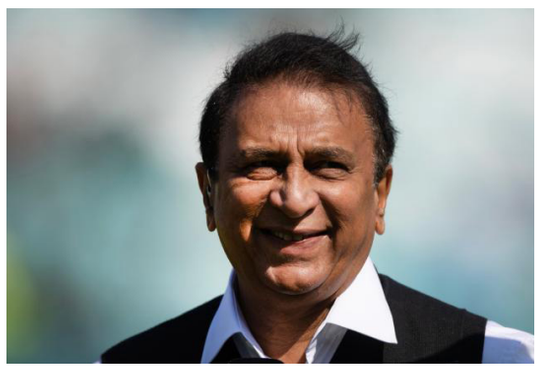

एजेंसी । नई दिल्ली

पूर्व भारतीय बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने ऑस्ट्रेलिया में होने वाली बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी से पहले भारत और भारत ए टीम के बीच अभ्यास मैच को रद्द करने के फैसले पर पुनर्विचार करने का आग्रह किया है। गावस्कर ने सोमवार को कहा, टेस्ट मैचों के बीच अंतराल में अभ्यास मैच होने चाहिए, भले ही यह वरिष्ठ खिलाड़ियों के लिए जरूरी नहीं है। लेकिन उन युवा खिलाड़ियों के लिए जरूरी है, जो पहले कभी ऑस्ट्रेलिया में नहीं खेले हैं। उन्हें वहां की उछाल और पिचों से अभ्यस्त होने का मौका दिया जाना चाहिए।

'तेज गेंदबाजों का सामना करें'

गावस्कर ने कंगारू टूम के खिलाफ पहले बार खेलने जा रहे युवा खिलाड़ियों को धैर्य और खुद पर भरोसा रखने को कहा। उन्होंने युवाओं को ज्यादा से ज्यादा समय थ्रोडाउन और तेज गेंदबाजों का सामना करने की सलाह दी। भारतीय टीम को 10 नवंबर को ऑस्ट्रेलिया के लिए रवाना होगा और उसे पर्थ में पहले टेस्ट से पूर्व भारत ए के खिलाफ एक आपसी मैच खेलना था। हालांकि अब अभ्यास मैच की जगह 'सेंटर-विकेट मैच सिमुलेशन को तरजीह दी गई है। भारत के कप्तान रोहित शर्मा ने कहा कि इससे बल्लेबाजों और गेंदबाजों दोनों को अभ्यास मैच की तुलना में पिच पर अधिक समय बिताने का मौका मिल सकेगा।

ओल्मो के दो गोल से बार्सिलोना ने दर्ज की एक और जीत

एजेंसी । मैड्रिड

ला लिगा फुटबॉल चैंपियनशिप में 27 बार के चैंपियन बार्सिलोना का अभियान जारी है। उसने दानी ओल्मो के दो गोल की मदद से रविवार को एस्पेनयोल पर 3-1 से जीत दर्ज करके स्पेनिश फुटबॉल लीग के वर्तमान सत्र में अपना दबदबा बरकरार रखा।

बढ़त मजबूत की : एक सप्ताह पहले सैंटियागो बर्नब्यू स्टेडियम में रियाल मैड्रिड को 4-0 से हराने वाले बार्सिलोना की तरफ से राफिन्हा ने भी गोल 23वें मिनट में किया। इससे पहले ओल्मो ने 12वें मिनट में मैच का पहला गोल कर टीम का खाता खोला और फिर 31वें मिनट में अपना और टीम का दूसरा गोल किया। एस्पेनयोल का एकमात्र गोल जावी पुआडो ने 63वें मिनट में किया। बार्सिलोना अब मौजूदा चैंपियन रियाल मैड्रिड से नौ अंक आगे हो गया है, जिसका वेलेंसिया में शनिवार को होने वाला मैच बाढ़ के कारण स्थगित कर दिया गया था।

'बेबी जॉन' का टीजर जारी, वरुण धवन का दिखा धांसू अवतार

पिछले लंबे वक्त से वरुण धवन फिल्म 'बेबी जॉन' को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। उनकी यह फिल्म इस साल की बहुचर्चित फिल्मों में से एक है। इस फिल्म के निर्देशन की कमान एटली ने संभाली है, जिन्होंने बीते साल शाहरुख खान के साथ फिल्म 'जवान' जैसी सुपरहिट फिल्म दी थी। अब 'बेबी जॉन' का टीजर रिलीज हो गया है, जिसमें वरुण का धांसू अवतार दिख रहा है। एक्शन से भरपूर इस टीजर को प्रशंसक पसंद कर रहे हैं।

25 दिसंबर को रिलीज होगी फिल्म

'बेबी जॉन' में वरुण की जोड़ी पहली बार अभिनेत्री वामिका गब्बी के साथ बनी है। अभिनेत्री कीर्ति सुरेश भी इस फिल्म में अहम भूमिका में नजर आएंगी। जैकी श्रॉफ भी इस फिल्म का हिस्सा हैं। टीजर में तमाम सितारों की झलक दिख रही है। यह फिल्म इस साल क्रिसमस के खास मौके पर यानी 25 दिसंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देने को तैयार है। यह एटली और वरुण के बीच पहला सहयोग है, जिसे लेकर प्रशंसक खूब उत्साहित हैं।

'आजाद' से अमन देवगन की पहली झलक आई

अजय अपनी आगामी फिल्म 'आजाद' को लेकर चर्चा में हैं। अब इस फिल्म का पहला पोस्टर सामने आ गया है। इसके अलावा टीजर की रिलीज तारीख से भी पर्दा उठ गया है। 'आजाद' के जरिए रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी अभिनय की दुनिया में कदम रखने जा रही हैं। अजय के भांजे अमन देवगन भी इस फिल्म के जरिए बॉलीवुड में डेब्यू करने वाले हैं।'आजाद' से अमन की पहली झलक सामने आ चुकी है, जिसमें वह घोड़े पर बैठे हुए नजर आ रहे हैं। फिल्म का टीजर 5 नवंबर को रिलीज होगा।

विद्या बालन को 'पनौती' मानने लगे थे लोग

कार्तिक आर्यन की फिल्म 'भूल भुलैया 3' में विद्या बालन ने वापसी की है। फिल्म में विद्या की कमाली की एक्टिंग और उनके मुंजलिका वाले किरदार को इतने दमदार तरीके से निभाया है कि हर कोई उनकी तारीफ कर रहा है। लेकिल हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान एक्ट्रेस ने अपने करियर के डार्क फ्रेज के बारे में बताया। एक्ट्रेस ने कहा कि एक फिल्म में कुछ ऐसा हुआ कि लोग उन्हें पनौती तक बुलाने लगे थे।

फिल्म की शूटिंग में हो गया था कांड

विद्या बालन ने ये बात 'भूल भुलैया 3' फिल्म के प्रमोशन के दौरान कही। विद्या ने कहा कि 'वो वक्त करियर के शुरुआती दौर का था। उस वक्त बहुत रिजेक्शन हो रहे थे और मुझे ब्रेक नहीं मिला था। मैंने एक मलयालम फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी थी। फिल्म बीच में बंद पड़ गई। फिर उन्होंने कहा कि ये लड़की पनौती है। जब से वो इस फिल्म से जुड़ी तब से फिल्म में परेशानियां शुरू हुई और अब ये मूवी बंद ही हो गई। बहुत सारी फिल्मों से मैं इस वजह से निकाली गई।' एक्ट्रेस का ये बयान तेजी से वायरल हो रहा है।

'पुष्पा: द रूल' में नजर आएंगी श्रीलीला

अल्लू अर्जुन की फिल्म 'पुष्पा: द रूल' इस साल की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। यह 2021 में आई फिल्म 'पुष्पा: द राइज' का सीक्वल है, जो बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट साबित हुआ। 'पुष्पा: द रूल' 5 दिसंबर, 2024 को सिनेमाघरों में दस्तक देने को तैयार है। 'पुष्पा: द रूल' की स्टार कास्ट में शामिल हो गई हैं। वह फिल्म में अल्लू के साथ एक गाने में डांस करती नजर आएंगी। 'पुष्पा: द रूल' के आइटम नंबर के लिए श्रीलीला को चुना गया है।

श्रद्धा कपूर से हो चुकी है बातचीत

इससे पहले निर्माताओं ने श्रद्धा कपूर से भी संपर्क किया था, लेकिन मुंहमांगी रकम के कारण निर्माताओं ने उनकी छुट्टी कर दी। इसके अलावा इस आइटम नंबर के लिए तृप्ति डिमरी से भी बात हो चुकी है। श्रीलीला फिल्म के एक विशेष गाने में डांस करती नजर आएंगी। इस दौरान अल्लू उनका साथ देने वाले हैं। 'पुष्पा: द रूल' के निर्देशन की कमान सुकुमार कर रहे हैं। पहले भाग का निर्देशन भी उन्होंने ही किया था। फहद फासिल भी इस फिल्म में अपनी अदाकारी का तड़का लगाते हुए नजर आएंगे।

'फ्रीडम एट मिडनाइट' का टीजर जारी

भारतीय सिनेमा के जाने-माने फिल्म निर्माता निखिल आडवाणी इन दिनों अपनी आगामी वेब सीरीज 'फ्रीडम एट मिडनाइट' को लेकर सुर्खियां बटोर रहे हैं। इस सीरीज में सिद्धांत गुप्ता 'पंडित जवाहरलाल नेहरू', चिराग वोहरा 'महात्मा गांधी' और राजेन्द्र चावला 'सरदार वल्लभभाई पटेल' की भूमिका निभाते हुए नजर आएंगे। अब 'फ्रीडम एट मिडनाइट' का टीजर रिलीज हो गया है, जिसमें तमाम सितारों की झलक दिख रही है। नेहरू के किरदार में सिद्धार्थ खूब जंच रहे हैं।

कब और कहां देख पाएंगे सीरीज

'फ्रीडम एट मिडनाइट' का प्रीमियर 15 नवंबर, 2024 से OTT प्लेटफॉर्म सोनी लिव पर होने जा रहा है। निर्माताओं ने लिखा, 'भारत की आजादी की रोमांचक कहानी का तीसरा भाग देखि। 'फ्रीडम एट मिडनाइट' 15 नवंबर से सोनी लिव पर।' यह सीरीज लैरी कॉलिन्स और डोमिनिक लैपिएर की किताब 'फ्रीडम एट मिडनाइट' पर आधारित है, जो जल्द सोनी लिव पर प्रसारित होगी।

बांद्रा पश्चिम विधानसभा सीट

आशीष शेलार के सामने आरएसएस पृष्ठभूमि के राजेश शर्मा की चुनौती

ग्राउंड रिपोर्ट

धीरज सिंह

विधानसभा चुनाव से ठीक पहले महाराष्ट्र में उठापटक की राजनीति का भयंकर दौर जारी हो गया है है। राज्य में विधानसभा चुनाव को लेकर सियासी दलों ने अपनी तैयारी तेज कर रखी है। वहीं इस क्रम में मुंबई के सबसे चर्चित उपनगरों में से एक बांद्रा पश्चिम विधानसभा सीट पर इस बार मुकाबला काफी दिलचस्प होने वाला है। यहां भारतीय जनता पार्टी के विधायक आशीष शेलार का मुकाबला कांग्रेस पार्टी के राजेश शर्मा से होने जा रहा है।

कांग्रेस ने की प्रिया दत्त की छुट्टी

बांद्रा पश्चिम विधानसभा सीट से कांग्रेस पार्टी लगातार ही विजयी होती रही है। लेकिन बीते 10 वर्षों से इस विधानसभा सीट पर BJP कब्जा किये हुए है। अटकलें लगाई जा रही थी कि प्रिया दत्त बांद्रा पश्चिम विधानसभा सीट से चुनाव लड़ सकती हैं। लेकिन इस बार कांग्रेस ने राजेश शर्मा पर दांव लगाया है। जानकारी दें कि बीते दो चुनावों में प्रिया दत्त इस विधानसभा क्षेत्र में BJP को हराने में असमर्थ रहीं। वहीं राजनीतिक क्षेत्र में उनकी निष्क्रियता और उनके जनसंपर्क कार्यालय को बंद करने से भी उनकी विश्वसनीयता पर सवाल उठे हैं।

पार्टी में राजेश शर्मा की एंट्री

तो वहीं, अब इस चुनाव में कांग्रेस ने BJP को उसी के गढ़ में भेदने के लिए न केवल अल्पसंख्यक वोटों को एकजुट करने बल्कि हिंदू वोटों को भी अपने पाले में करने के लिए इस बार राजेश शर्मा को चुनावी मैदान में उतारा है। पूर्व उप महापौर राजेश शर्मा RSS पृष्ठभूमि से हैं। वे साल 2012 में कांग्रेस में शामिल हो गए थे। ऐसे में अब राजेश शर्मा के मैदान में आने से इस सीट पर मुकाबला कड़ा हो गया है। वहीं बीते 2 सितंबर 2024 कांग्रेस की एक आंतरिक सर्वेक्षण रिपोर्ट की मानें तो BJP के आशीष शेलार को 46% और कांग्रेस के राजेश शर्मा को 49% जीत की संभावना जताई गई है। कांग्रेस की हमेशा से यह दिक्कत रही कि BJP के मुंबई शहर प्रमुख आशीष शेलार से मुकाबले के लिए बड़ा कैंडिडेट नहीं है।

बांद्रा पश्चिम सीट और क्षेत्र के मतदाता

इस विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र महाराष्ट्र राज्य के 288 विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में से ही एक है। यह मुंबई उपनगरीय जिले में स्थित है और मुंबई उत्तर मध्य संसदीय सीट के 6 विधानसभा क्षेत्रों में से एक मानी जाती है। बांद्रा पश्चिम विधानसभा में अनुसूचित जाति मतदाताओं की संख्या लगभग 8,709 है जो 2011 की जनगणना के अनुसार लगभग 2.84% है। यहां अनुसूचित जनजाति मतदाताओं की संख्या लगभग 2,423 है जो 2011 की जनगणना के अनुसार लगभग 0.79% है। इसी तरह यहां मुस्लिम मतदाताओं की संख्या लगभग 77,583 है जो मतदाता सूची विश्लेषण के अनुसार लगभग 25.3% है। बांद्रा पश्चिम विधानसभा में ग्रामीण मतदाताओं की संख्या लगभग 0 ही है जो 2011 की जनगणना के अनुसार लगभग 0% है। वहीं यहां शहरी मतदाताओं की संख्या लगभग 306,653 है जो 2011 की जनगणना के अनुसार लगभग 100% है। अगर 2019 के संसदीय चुनाव को देखें तो बांद्रा पश्चिम विधानसभा में कुल 306653 मतदाता हैं। साल 2019 के संसदीय चुनाव के अनुसार यहां मतदान केंद्रों की संख्या 286 है। वहीं साल 2019 के ही विधानसभा चुनाव में बांद्रा पश्चिम विधानसभा का मतदाता मतदान प्रतीशत 42.72% रहा था।

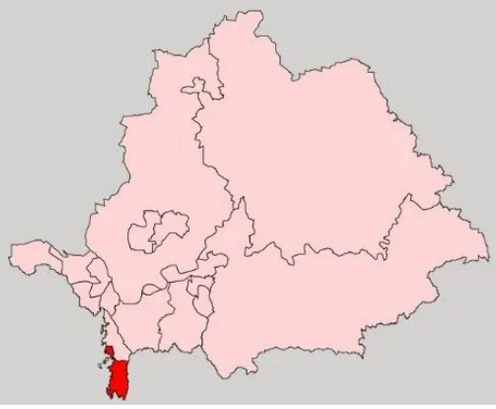

2019 विधानसभा चुनाव परिणाम

उम्मीदवार	दल	वोट	वोट (%)
आशीष शेलार	भाजपा	74816	57.11
आसिफ अहमद ज़कारिया	कांग्रेस	48309	36.9
नोटा	नोटा	3531	2.7
इस्तियाक बशीर जागीरदार	वीबीए	3312	2.5

साल 2009 से 2019 तक विधानसभा के निर्वाचित विधायक

2019 विधानसभा चुनाव : आशीष शेलार, BJP

2014 विधानसभा चुनाव: आशीष शेलार, BJP

2009 विधानसभा चुनाव: (बाबा) जैउद्दीन सिद्दीकी, कांग्रेस

जानिए आखिर कौन हैं आशीष शेलार ?

भाजपा नेता आशीष शेलार का जन्म 3 अक्टूबर 1972 को महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग जिले में हुआ था। वे मुंबई के मिल-मजदूर इलाके में एक चॉल सिस्टम में पले-बढ़े, उसके बाद वे अपने परिवार के साथ बांद्रा पश्चिम चले गए। शेलार ने पार्ले कॉलेज से अपनी स्कूली शिक्षा पूरी की और 1992 में विज्ञान स्नातक (बीएससी) की डिग्री हासिल की। इसके बाद उन्होंने मुंबई विश्वविद्यालय के जीजे आडवाणी लॉ कॉलेज से कानून की डिग्री हासिल की। उन्होंने अपने राजनीतिक सफर की शुरुआत स्कूल के दिनों में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से की थी और बाद में कॉलेज में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) में शामिल हो गए, अंततः एबीवीपी के मुंबई सचिव बने।

BJP हरियाणा की जीत वाले फॉर्मूले से महाराष्ट्र में खिलाएगी 'कमल'

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में जीत हासिल करने के लिए सभी राजनीतिक दलों ने अपनी-अपनी रणनीति पर काम करना शुरू कर दिया है। ऐसे में बताया जा रहा है कि राज्य में भारतीय जनता पार्टी हरियाणा विधानसभा चुनाव में अपनाए गए फॉर्मूले पर काम कर रही है। क्योंकि भाजपा को हरियाणा चुनाव से जो सबक मिले हैं, वह महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए काफी अहम हैं। ऐसे में राज्य में चुनाव जीतने के लिए पार्टी उसी हिसाब से रणनीति तैयार कर रही है। तो आइए जानते हैं कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए बीजेपी किस रणनीति पर काम कर रही है।

विरोधी की कमजोरी और अपनी ताकत

बीजेपी हर राज्य में चुनाव से पहले अन्य पार्टियों में सेंध लगाने की कोशिश करती है। भाजपा विरोधी की कमजोरी और अपनी ताकत पर भरोसा करती है। जिस तरह से हरियाणा में कांग्रेस नेता कुमारी शैलजा की नाराजगी का भाजपा को फायदा हुआ था। ऐसे में पार्टी को महाराष्ट्र में भी ऐसे कुछ विरोधी खेमे दिखाई दे रहे हैं, जहां पर वह सेंध लगाकर विरोधी पार्टी को कमजोर कर खुद की ताकत बढ़ा सकती है।

वोटर्स को पोलिंग बूथ तक लाना

हरियाणा विधानसभा चुनाव के दौरान भाजपा ने पोलिंग बूथ को मजबूत करने का काम किया था और यह तय किया था कि हर भाजपा समर्थक पोलिंग बूथ तक जरूर पहुंचे और वोट दें। ऐसे में महाराष्ट्र में भी भाजपा चुनाव जीतने के लिए यही रणनीति अपनाएगी। महाराष्ट्र चुनाव के मद्देनजर भाजपा अब बूथ वाइज वोटर्स पर खासकर बीजेपी समर्थकों पर फोकस कर रही है। वहीं भाजपा के एक नेता के मुताबिक हरियाणा की तुलना में महाराष्ट्र में बीजेपी का संगठन ज्यादा मजबूत है। ऐसे में पार्टी को उम्मीद है कि महाराष्ट्र में उसे इस रणनीति का अच्छा रिजल्ट मिलेगा।

सीटों की मैपिंग और फोकस

प्राप्त जानकारी के मुताबिक महाराष्ट्र में भारतीय जनता पार्टी हरियाणा चुनाव से मिले सबक के हिसाब से काम कर रही है। माना जा रहा है कि भाजपा विधानसभा चुनाव की तैयारी करते वक्त हर विधानसभा सीट की मैपिंग करेगी और साथ ही यह भी देखेगी कि वहां पर पार्टी की क्या स्थिति है।

महाराष्ट्र के सियासी समीकरण

मनोज जरांगे के 'यूटर्न' से किसे फायदा, किसे नुकसान?

महाराष्ट्र की राजनीति में एक्स फैक्टर के नाम से जाने जाने वाले मराठा आंदोलन के नेता मनोज जरांगे पाटील ने चुनाव से खुद को अलग कर लिया है। इतना ही नहीं, उन्होंने अपने कार्यकर्ताओं को आदेश दिया है कि मराठा आंदोलन की तरफ से जिन्होंने भी नामांकन दाखिल किया था वह अपना तक नाम वापस लें। मनोज जरांगे पाटील की इस चाल से महायुति (बीजेपी,एनसीपी और शिवसेना गठबंधन) ज्यादा परेशान नजर आ रही है।

जरांगे-पाटील चुनाव में नहीं, तो फायदा किसे?

मीडिया से बातचीत करते हुए मनोज जरांगे पाटील ने कहा, "एक समाज के बल पर हम चुनाव नहीं लड़ सकते। मुस्लिम और दलित समुदाय के नेताओं से हमने उम्मीदवारों की लिस्ट मांगी थी, लेकिन वह नहीं मिल पाई, इसलिए इस चुनाव में उम्मीदवार नहीं उतारेंगे। राजनीति हमारा खानदानी धंधा तो नहीं है। हमने किसी भी पार्टी या नेता को सपोर्ट नहीं दिया है। जो 400 पार का नारा दे रहे थे, उनका क्या हुआ आपने देखा है। मराठा समुदाय का दबदबा कायम रहेगा इसमे कोई शक नहीं। आप सभी को चुपचाप जाना है और वोट कर के वापस आना है। मराठा समुदाय ने अपनी लाइन समझ लेनी चाहिए। "जो महाराष्ट्र की सियासत को जानते हैं उन्हे जरांगे पाटील की इस भाषा से काफी कुछ समझ आता है। मनोज जरांगे पाटील मराठवाडा से आते है। मराठवाडा मे लोकसभा की 8 सीटे हैं। पिछले लोकसभा चुनाव मे जरांगे पाटील ने देवेंद्र फडणवीस और बीजेपी के खिलाफ मोर्चा खोला था। इसका सबसे बडा नुकसान बीजेपी और शिंदे की शिवसेना को उठाना पडा। मराठवाडा की 8 लोकसभा सीटों मे से 7 सीटे महायुती हार गई। इतना ही नहीं, मराठवाडा से सटे विदर्भ के यवतमाल और पश्चिम महाराष्ट्र के सोलापुर, अहमदनगर और माढा लोकसभा चुनावक्षेत्र मे भी इसका असर दिखा और वहां भी बीजेपी को हार का सामना करना पडा। मराठा समुदाय का गुस्से को दलित और मुस्लिम समुदाय का भी साथ मिला था। और यह वोट बैंक महायुती के हार के लिए जिम्मेदार रही।

75 सीटों पर कांग्रेस और भाजपा आमने-सामने सबसे ज्यादा विदर्भ की सीटों पर सीधा मुकाबला

विश्लेषण

अमित बृज

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में सत्ता की दहलीज तक पहुंचने के लिए सभी पार्टियां पूरी ताकत झोंक रही हैं। महा विकास अघाड़ी (एमवीए) और महायुति गठबंधन चुनाव रणनीति को अंतिम रूप देने में जुटे हैं। पर इस चुनाव में सबसे ज्यादा दबाव कांग्रेस पर है। कांग्रेस जहां एमवीए का सबसे बड़ा घटक दल है, वहीं करीब छह दर्जन सीटों पर उसका सीधा मुकाबला भाजपा से है।

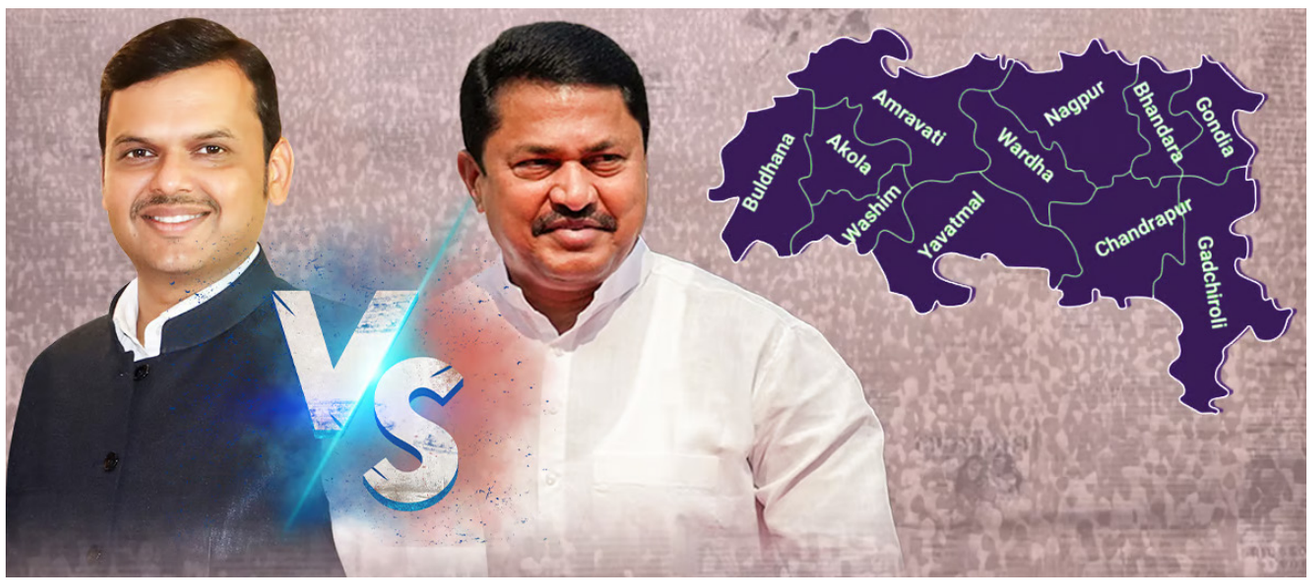

भाजपा से सीधे मुकाबले वाली सीटों पर ज्यादा ध्यान देगी कांग्रेस

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में कांग्रेस और भाजपा के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिल रही है, खासकर विदर्भ क्षेत्र में। यहां करीब 37 सीटों पर कांग्रेस और भाजपा आमने-सामने हैं, जो कुल 62 सीटों में से आधे से अधिक है। लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने विदर्भ में अच्छा प्रदर्शन किया था, जिससे एमवीए गठबंधन को विधानसभा स्तर पर 42 सीटों पर बढ़त मिली थी। लेकिन हाल के हरियाणा चुनाव में कांग्रेस की हार के बाद इंडिया गठबंधन के कुछ घटक दलों ने कांग्रेस पर दबाव डाला है, क्योंकि उनका मानना है कि भाजपा के सामने सीधी लड़ाई में कांग्रेस की स्थिति कमजोर पड़ जाती है।

कांग्रेस के लिए विदर्भ में इन सीटों पर अच्छा प्रदर्शन करना इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे न सिर्फ उसकी राजनीतिक स्थिति मजबूत होगी, बल्कि इसका असर पूरे महाविकास आघाड़ी (एमवीए) गठबंधन पर भी पड़ेगा। इस बार का चुनाव कांग्रेस के लिए अपनी ताकत दिखाने का अवसर है, और पार्टी को एमवीए के समर्थन को कायम रखने के लिए यह साबित करना होगा कि वह भाजपा के खिलाफ मजबूती से खड़ी हो सकती है।

कांग्रेस को सुधारना होगा स्ट्राइक रेट

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के सामने भाजपा के खिलाफ अपने प्रदर्शन को सुधारने की चुनौती है, खासकर उन सीटों पर जहां दोनों पार्टियों के बीच सीधा मुकाबला है। पिछले चुनाव में उत्तरी महाराष्ट्र की सीधी मुकाबले वाली छह सीटों में से कांग्रेस ने केवल दो, मराठवाड़ा की दस में से तीन, और पश्चिमी महाराष्ट्र की सात में से दो सीटों पर ही जीत हासिल की थी। इन आंकड़ों से स्पष्ट है कि भाजपा के खिलाफ कांग्रेस को अपनी जीत का स्ट्राइक रेट बढ़ाना होगा। महाराष्ट्र कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता के अनुसार, इस बार पार्टी ने चुनावी वादों को हर मतदाता तक पहुंचाने का संकल्प लिया है, जिससे उनकी चुनावी स्थिति मजबूत हो सके। इसके साथ ही, बूथ स्तर पर कार्यकर्ताओं को सक्रिय कर ज्यादा से ज्यादा मतदाताओं को मतदान केंद्र तक लाने की योजना बनाई गई है। पार्टी के बड़े नेता विदर्भ में प्रचार के लिए उतारकर भाजपा के प्रभाव वाले इलाकों में समर्थन जुटाने का प्रयास करेंगे। कांग्रेस की यह रणनीति इस बार के चुनाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है, खासकर उन क्षेत्रों में जहां भाजपा से सीधी टक्कर है।

2019 में भाजपा ने मारी थी बाजी

2019 के चुनाव में विदर्भ की 31 सीटों पर कांग्रेस और भाजपा का सीधा मुकाबला हुआ था। इनमें से 23 पर भाजपा और 8 सीटों पर कांग्रेस जीती थी। इसलिए, दोनों पार्टियां इस क्षेत्र में पूरी ताकत झोंक रही हैं। दिलचस्प है कि कांग्रेस और भाजपा दोनों के प्रदेश अध्यक्ष इसी क्षेत्र हैं। यह देवेंद्र फडणवीस और विजय वेडट्टीवार का भी क्षेत्र है। इसी तरह पिछले चुनाव में मुंबई में कांग्रेस और भाजपा 12 सीटों पर आमने-सामने थी। इनमें से कांग्रेस सिर्फ एक सीट जीती थी।